



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY-

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 89]

नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 1, 2003/चैत्र 11, 1925

No. 89]

NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 1, 2003/CHAITRA 11, 1925

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2003

विषय : यूरोपीय संघ से एक्सरे बैगेज इन्सपेक्शन मल्टी एनर्जी सिस्टम (एक्स बी आई एस) के आयातों से संबंधित ~~संबंधित~~ जांच—
प्रारम्भिक जांच परिणाम।

सं. 14/12/2002-डीजीएडी.— सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उच्च पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण, नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए;

क. कार्यपद्धति

1. जांच के लिए निम्नलिखित कार्यपद्धति अपनाई गई है:

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा जाएगा) को उपरोक्त नियमावली के अधीन लिखित याचिका प्राप्त हुई है, जिसमें यूरोपीय संघ से एक्सरे बैगेज इन्सपेक्शन मल्टीएनर्जी सिस्टम (एक्सबीआईएस) के पाटन का आरोप लगाया गया है।
- (ii) याचिका की आरंभिक जांच से कतिपय त्रुटियों का पता लगा जिन्हें याचिकाकर्ता द्वारा बाद में ठीक कर दिया गया। इसके बाद याचिका को सही ढंग से प्रलेखित दस्तावेज माना गया है।
- (iii) याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर प्राधिकारी ने यूरोपीय संघ से एक्सरे बैगेज इन्सपेक्शन मल्टी एनर्जी सिस्टम (एक्सबीआईएस) के आयातों के पाटन के विरुद्ध जांच आरंभ करने का निर्णय लिया।
- (iv) प्राधिकारी ने उपनियम 5(5) के अनुसार जांच शुरू करने से पहले पाटन के आरोप प्राप्त होने के बारे में यूरोपियन आयोग प्रतिनिधिमंडल को सूचित किया।
- (v) प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के सीमाशुल्क उपशीर्ष सं0 90.22.19 तथा आईटीसी वर्गीकरण के अंतर्गत वर्गीकृत यूरोपीय संघ के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एक्सबीआईएस के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए दिनांक 15 अप्रैल 2002 को सार्वजनिक सूचना भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित की।

- (vi) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) तथा उद्योग संघों को भेजी और उन्हें इस पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार लिखित रूप में देने का अवसर प्रदान किया।
- (vii) प्राधिकारी ने एक्सबीआईएस के सभी ज्ञात आयातकों (जिनका विवरण याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराया गया था) को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी और उनसे पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार लिखित रूप में देने का अनुरोध किया।
- (viii) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सीबीईसी) से एक्सबीआईएस के आयातों का विवरण देने का अनुरोध किया गया था।
- (ix) प्राधिकारी ने पूर्वोक्त नियम 6(3) के अनुसार अगोपनीय याचिका की प्रतियां ज्ञात निर्यातकों को उपलब्ध कराईं।
- (x) प्राधिकारी ने संबद्ध सूचना प्राप्त करने के लिए नियम 6(4) के अनुसार यूरोपीय संघ, में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी:

यूरोपीय संघ

- मै0 हेमन्स सिस्टमज जीएमबीएच
आईएम हेरजेन् 4
डी-65205
वेजबेडन

भारत में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल तथा जर्मनी गणराज्य के सम्मानिक दूतावास को नियम 6(2) के अनुसार जांच आरंभ होने की सूचना दे दी गयी थी और उन्हें अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों से निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली भरकर भेजने का आग्रह करने का अनुरोध किया गया था। निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की प्रति भी निर्यातकों के नाम तथा पत्तों सहित उनको भी भेजी गई थी।

xi) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए एक्सबीआईएस के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/उपयोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी गई थी:-

- भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण,
(राष्ट्रीय विमानपत्तन प्रभाग)
राजीव गांधी भवन, सफदरजंग एयरपोर्ट,
नई दिल्ली
- जीई केपिटल,
90 ए, सेक्टर-18
उद्योग विहार, गुड़गांव
- इंडियन एयर लाईन्स,
आरक्षण कार्यालय बिल्डिंग,
द्वितीय तल, सफदरजंग एयरपोर्ट,
नई दिल्ली
- डायरेक्टरेट ऑफ प्रिवेन्टिव ऑपरेशन,
कस्टम एण्ड सेन्ट्रल एक्साईज,
लोकनायक भवन, नई दिल्ली

- जेट एयरवेज (इंडिया) प्रा० लि०,
तृतीय तल, एसएम सेंटर
अंधेरी - कुर्ला रोड, मुम्बई
- बीएसएनएल
लोकमान्य विदेश संचार भवन,
कीर्ति कालेज के सामने, प्रभादेवी, मुम्बई
- डाक विभाग,
डाक भवन,
पार्लियामेंट स्ट्रीट,
नई दिल्ली

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने प्रश्नावली का प्रत्युत्तर दिया था ।

- (xii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय अंशों को एक सार्वजनिक फाइल के रूप में इच्छुक पार्टियों द्वारा जांच के लिए खुला रखा ।
- (xiii) सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) और याचिकाकर्ता मै० ईसीआईएल रेपिस्केन तथा उनके सहायक निर्माता मै० ईसीआईएल द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर उत्पादन की ईष्टतम लागत और भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत निकालने के लिए लागत जांच की गई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा ।
- (xiv) यह *** चिह्न इस अधिसूचना में हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना का द्योतक है और नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी ने उसे गोपनीय ही माना है ।
- (xv) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 1.7.2002 को एक सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की थी जिसमें सभी हित बद्ध पार्टियों ने भाग लिया ।
- (xvi) प्राधिकारी ने मै० ईसीआईएल और भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण के विभिन्न टर्मिनल पर सत्यापन के लिए दौरे किए ।
- (xvii) यह जांच 1 अप्रैल, 2001 से 31 दिसम्बर, 2001 (9 महीने) की अवधि के लिए की गई थी ।

याचिकाकर्ता के बिचार

2. याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका और अपने बाद के अनुरोधों में निम्नलिखित प्रमुख मुद्दों को उठाया है:-

- (क) मै० ईसीआईएल - रेपिस्केन लि०, इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लि० (ईसीआईएल) भारत सरकार का सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम और ऑप्टो सेंसर अर्नईएनसी (रेपिस्केन) यूएसए के बीच एक संयुक्त उद्यम है । रेपिस्केन अपेक्षित प्रौद्योगिकी प्रदान करता है और

अंतिम रूप से उत्पाद का निर्माण ईसीआईएल करता है। संयुक्त उद्यम कम्पनी अधिनियम, 1956 के अधीन 3.1.95 को बनाया गया था।

(ख) ईसीआईएल भारत में संबद्ध वस्तुओं का एकमात्र निर्माता है। ईसीआईएल किसी भी संबद्ध वस्तु का आयात नहीं कर सकता और न ही इसके कथित पाटित वस्तु के निर्यातक या आयातक से कोई संबंध है।

(ग) वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद "एक्स-रे बैगेज इन्स्पेक्शन मल्टी एनर्जी सिस्टम" (एक्सबीआईएस) है जिसका निर्माण घरेलू उद्योग द्वारा चार मॉडलों में किया जाता है। याचिका दो मॉडल नामतः (1) 60 सेमी. 40 सेमी. और (2) 90 सेमी 75 सेमी के कथित पाटन के विरुद्ध है। इसका प्रयोग आयात पोर्ट, सुरक्षा एजेंसियों, एयरपोर्ट पर विस्फोटक शस्त्र, नशीले पदार्थ और निषिद्ध माल का पता लगाने के लिए किया जाता है। एक्सबीआईएस से उपर्युक्त नामित वस्तुओं हेतु बैगेज की शीघ्रता और आसानी से जांच की जा सकती है जो कि अन्यथा एक समय लगने वाली तथा असुविधाजनक प्रक्रिया है। एक्सबीआईएस का कोई प्रतिस्थापन उपलब्ध नहीं है।

आवेदन में आकार (टनल परिमाण, चौड़ाई X ऊँचाई) निम्नलिखित अनुसार दिया गया है:-

- 1) 60 सेमी. X 40 सेमी
- 2) 90 सेमी. X 75 सेमी.
- 3) 120 सेमी X 80 सेमी.
- 4) 150 सेमी X 165 सेमी

किसी एक्सबीआईएस सिस्टम में निम्नलिखित मुख्य घटक/पार्ट शामिल होते हैं -

- (क) एक्स-रे जेनरेटर
- (ख) डायोड डिटेक्टर के साथ डायोड एर्रे पीसीबी
- (ग) अपेक्षित सॉफ्टवेयर और एड ऑन कार्ड के साथ कम्प्यूटर
- (घ) कन्वेयरर तंत्र के साथ टनल जिसमें से सामान को निकाला जाता है।
- (ङ.) प्रदर्शन और नियंत्रण की बोर्ड के साथ इमेज प्रोसेसिंग साफ्टवेयर

इसके अतिरिक्त बेल्ट ड्रवमेंट को नियंत्रित करने के लिए मुख्य नियंत्रक पीसीबी है। एक्सबीआईएस मशीनों में प्रयोग किए जाने वाली बहु ऊर्जा प्रणाली माल के अणु भार के अनुसार भेद करती है तथा उन्हें विभिन्न रंगों में प्रदर्शित करती है। एक्सबीआईएस मशीनों के टनल आकार पर ध्यान दिए बिना प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर और संघटक वही रहते हैं। टनल का आकार, एक्सरे किए जाने वाले बैगेज के आकार पर निर्भर रहता है।

एक्सबीआईएस के सभी मॉडलों के संघटक और पुर्जे तकनीकी रूप से एक जैसे होते हैं। वे एक ही सिद्धांत पर कार्य करते हैं। उनकी उत्पादन प्रणाली में कोई अंतर नहीं है। अलग-अलग मॉडलों के टनल का आकार अलग-अलग होता है। जांच अवधि के दौरान ईसीआईएल द्वारा निर्मित विभिन्न मॉडलों के टनल आकार नीचे दिए गए हैं।

ईसीआर 530	1200 एमएम(चौ)	800 एमएम(ऊ)
ईसीआर 520	640 एमएम (चौ)	430 एमएम (ऊ)
ईसीआर 526बीएस	900 एमएम (चौ)	800 एमएम (ऊ)
ईसीआर 519	500 एमएम (चौ)	300 एमएम (ऊ)
ईसीआर 532 एच	1500 एमएम (चौ)	1650 एमएम (ऊ)

इसके अतिरिक्त एक जैसे मॉडलों के लिए एक उत्पादक और अन्य उत्पादक के टनल आकार में थोड़ी-थोड़ी भिन्नता देखी जा सकती है। इसीलिए सामान्यतः उपयोक्ता निविदाएँ आमंत्रित करते समय नोटिस में टनल आकार का माप भी देने हैं ताकि बड़ी संख्या में निर्माता और मॉडल भाग ले सके तथा आर्डर के लिए आपस में प्रतिस्पर्धा हो सके। उदाहरण के लिए अभी हाल की एक निविदा में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने टनल आकार निम्नलिखित अनुसार दिए थे:-

प्रकार	चौड़ाई	ऊँचाई
श्रेणी-I	600-700एमएम	400-500एमएम
श्रेणी-II	1000-1100एमएम	1000-1100एमएम
श्रेणी-III	1400-1600एमएम	1500-1800एमएम

विभिन्न उत्पादक सामान्यतः टनल आकार थोड़े से भिन्न होने पर भी विभिन्न मॉडल संख्या मॉडल का नाम भी देते हैं। अतः एक्सबीआईएस मशीनों के सभी मॉडलों को इस जांच के उद्देश्य हेतु समान वस्तुओं के रूप में माना जाना चाहिए।

जांच अवधि के दौरान एक्सबीआईएस मशीन के केवल दो मॉडल देश में आयात किए गए थे। परंतु याचिका किसी भी प्रकार केवल इन मॉडलों तक सीमित नहीं है। यदि जांच केवल इन दो मॉडलों तक सीमित रहती है तो घरेलू उद्योग को कोई सुरक्षा नहीं मिलेगी। अतः इस जांच के अंतर्गत एक्सबीआईएस के सभी मॉडलों को शामिल करना आवश्यक है। इस प्रयोजनार्थ यह निवेदन है कि एक्सबीआईएस के विभिन्न मॉडलों को टनल आकारों पर आधारित निम्नलिखित मुख्य श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाएगा।

चौड़ाई	ऊँचाई
(क) 600 से 700 एमएम	400 से 500 एमएम
(ख) 700 से 1000 एमएम	550 से 850 एमएम
(ग) 1000 से 1200 एमएम	800 से 1200 एमएम
(घ) 1200 एमएम और अधिक	1200 एमएम तथा अधिक

याचिकाकर्ता ने याचिका में चार विभिन्न टनल आकार दिये थे। निर्धारित टनल आकारों के स्थान पर प्राधिकारी टनल आकार के उपरोक्त चार मापों पर पाटनरोधी शुल्क लगा सकते हैं ताकि थोड़े से अलग आकार के टनल पाटनरोधी शुल्क के क्षेत्र से बाहर न हो जाएं।

(घ) ईसीआईएल-रेपिस्केन तथा हेमन्न के तुलनात्मक मॉडल जिन पर पाटन का आरोप लगाया गया है, निम्नलिखित अनुसार है:-

हेमन्न मॉडल	तुलना ईसीआईएल रेपिस्केन मॉडल	आकार (टनल माप) चौड़ाई ऊँचाई तकरीबन
एचएस 60401	ईसीआर 520	60 सेमी. 40 सेमी.
एचएस 90751	ईसीआर 26 ए/बी	90 सेमी. 75 सेमी.

(ङ) मुख्य उपयोक्ता भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण है (राष्ट्रीय विमानपत्तन प्रभाग), राजीव गांधी भवन, सफदरजंग एयरपोर्ट नई दिल्ली-1100031 जैसाकि याचिका में दिया गया है सम्बद्ध वस्तुओं के उपयोक्ताओं में कोई सम्बन्ध नहीं है।

(च) नागरिक उड्डयन ब्यूरो (बीसीएएस) ने भारतीय विमानपत्तन के लिए सुरक्षा प्रयोग हेतु स्तर निर्धारित किए हैं।

(छ) उत्पाद का पाटन मै0 हेमन्न सिस्टम जीएमबीएच, वेसबैडन, जर्मनी द्वारा किए जाने का आरोप है। मै0 हेमन्न कनाडा (विपणन कार्यालय) को आर्डर मिला था जो पाटन के आरोपाधीन है। पूर्ति हेमन्न जर्मनी द्वारा की जा रही है।

(ज) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा भारत में विभिन्न विमान पत्तनों पर 39 नग कलर एक्स-रे बैगोज इंस्पेक्शन सिस्टम की आपूर्ति हेतु वैश्विक निविदा 9/03/2000 की है और संशोधित कीमत बोली 9/04/2001 की है। इसे विमान पत्तन प्राधिकरण द्वारा 20/04/2001 और 23/04/2001 के आदेश सं0 3/3/2000-एआर-11 (ईक्यू) के तहत स्वीकार किया गया है।

(झ) अन्य देश जिन्होंने, भारत में प्रारंभ हुई ग्लोबल निविदा के लिए बोली लगाई थी वे अमेरिका और मलेशिया है। अन्य देशों में केवल मै0 ओप्टो सेन्सर (एम) एससीएन, बीएचडी मलेशिया (ईसीआईएल-रेपिस्केन लि0 की सिस्टर कम्पनी है) ने ईसीआईएल-रेपिस्केन लि0 द्वारा दिए गए आर्डर पर मशीनों की पूर्ति की थी, जिन्हें 1999-2000 में दिए गए एक्सबीआईएस के 30 नं0 के लिए एएआई, अंतर्राष्ट्रीय प्रभाग द्वारा दी गई निविदा के विरुद्ध आर्डर प्राप्त हुआ था।

(ख) आयातकों, निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

3.क आयातकों के विचार

(1) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

(क) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने संबद्ध वस्तुओं के आयातक/उपभोक्ता के रूप में आयातक प्रश्नावली का प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया है। प्राधिकारी ने दिनांक 2 जुलाई, 2002 के पत्र द्वारा भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण से आयातक प्रश्नावली के उनके प्रत्युत्तर का अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने

का अनुरोध किया। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने अपने दिनांक 11 जुलाई, 2002 के पत्र द्वारा सूचित किया कि आयातक प्रश्नावली के लिए उनका प्रत्युत्तर गोपनीय था।

(ख) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने कुछ प्रारंभिक तथ्यों का स्पष्टीकरण किया है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिनियम 1994 के अधीन गठित एक कॉरपोरेट निगम है। भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण अंतर्राष्ट्रीय गृह एयरपोर्ट पर आने वाले यात्रियों के हैंड व रजिस्टर्ड सामान के लिए सुरक्षा उपकरण प्रदान करने के लिए उत्तरदायी है। इस प्रकार के उपकरण के लिए विशिष्टताएं विश्व भर में उपलब्ध नवीनतम प्रौद्योगिकी अनुसार तैयार की गई हैं तथा उन्हें अंतिम रूप आयुक्त, नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो के साथ विचार-विमर्श करके दिया गया है। इसके पश्चात् एएआई द्वारा ग्लोबल निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं तथा उपकरण की प्राप्ति निविदा मानदण्डों और आवेदन प्रक्रियाओं के अनुसार की जाती है।

(ग) मै0 ईसीआईएल रेपिस्केन लि0, सिकन्दराबाद ने वर्ष 1999-2000 के दौरान भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को आयातित एक्सबीआईएस की पूर्ति की थी जो कि विश्वीय निविदा के लिए मै0 आप्टो सेंसर मलेशिया द्वारा निर्मित की गई थी तथा जिसका भारत में आयात किया गया था वर्ष 1999 तथा 2000 की अवधि के दौरान भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की आवश्यकताओं के संदर्भ में ईसीआईएल रेपिस्केन ने उपकरण की पूर्ति नहीं की थी जिनका इन्होंने भारत में निर्माण किया था। भारतीय विमानपत्तन द्वारा आमंत्रित निविदाओं के संदर्भ में मै0 ईसीआईएल रेपिस्केन लि0 देशीय और आयातित उपकरण उपलब्ध कराए, जो निविदा इन्होंने प्रस्तुत की तथा तथा जिसका मूल्यांकन करने पर उसे स्वीकृत करने योग्य नहीं पाया गया था।

(घ) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने इसके साथ, मै0 ईसीआईएल रेपिस्केन लि0 सहित सूचीबद्ध निविदाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत किए गए बिलों के तुलनात्मक विवरण भी दिए हैं जिससे पता चलता है कि यह अन्य बोली लगाने वालों की तुलना में निम्नतम नहीं था। इसके साथ संगत निविदा दस्तावेज भी प्रस्तुत किए गए हैं।

(ङ) मै0 ईसीआईएल रेपिस्केन लि0 ने उल्लेख किया है कि मै0 हेमन्न सिस्टम आईएनसी कनाडा द्वारा ब्राजील सरकार डाक सेवा को उद्घृत एक्सबीआईएस का मॉडल भिन्न है जो भारत में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को दिए गए मॉडल 6040 आई के स्थान पर मॉडल 6040डी है तथा संशोधित मॉडल की भिन्नता भी है। अतः अलग-अलग मॉडल की तुलना नहीं की जा सकती तथा तुलना की जांच करने या तुलनात्मक कीमतों का आधार नहीं रखते-

(च) मै0 हेमन्न सिस्टम आईएनसी एक प्रसिद्ध निर्माता है जिनके उत्पाद का प्रयोग विश्वभर में अंतर्राष्ट्रीय/घरेलू एयरपोर्ट पर किया जा रहा है तथा उनके द्वारा उद्घृत दरें प्रत्येक देश में भिन्न होती हैं, जो विशिष्टताओं, मात्रा, बिक्री के पश्चात् अपेक्षित सर्विस, देश में उत्पाद के लिए उपलब्ध बुनियादी सुविधाएं तथा एनआईटी में क्रेताओं द्वारा निर्धारित नियम व शर्तों पर निर्भर करती है।

(छ) क्षति तथा कारणात्मक संबंध: यह निवेदन किया गया है कि इस बात के कोई पर्याप्त साक्ष्य नहीं है कि विचाराधीन उत्पाद के आयातों से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। यहां यह भी निवेदन किया गया है कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने मै0 ईसीआईएल रेपिस्केन लि0 द्वारा

दायर याचिका की प्रति प्रदान नहीं की है ताकि एएआई अपना प्रत्युत्तर दे सकें या आरंभ कर सकें जैसा भी संगत या आवश्यक हो ।

(ज) निविदाएं आमंत्रित करके या विभिन्न मुख्य समाचार पत्रों में निविदा आमंत्रित करने का नोटिस/ग्लोबल निविदाएं प्रकाशित करके खरीददारी की जाती है । निविदाएं दो बोली प्रणालियों द्वारा मंगाई जाती हैं (i) तकनीकी बोली (ii) वाणिज्यिक बोली । यथावत गठित समिति, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के अधिकारी शामिल होते हैं, फर्मों/कम्पनियों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में तकनीकी बोली खोलते हैं । तकनीकी बोलियों का मूल्यांकन, सक्षम प्राधिकारी द्वारा यथावत गठित तकनीकी समिति द्वारा किया जाता है । बोलियों का मूल्यांकन, एनआईटी में निर्धारित विशिष्टताओं के अनुसार किया जाता है तथा सक्षम प्राधिकारी को सिफारिशें की जाती हैं । सक्षम प्राधिकारी द्वारा रिपोर्ट के स्वीकृत करने के पश्चात जो फर्म/कम्पनी तकनीकी आवश्यकताओं को पूरा करती है उन्हें विभिन्न क्षेत्रों के अधिकारियों की समिति द्वारा वाणिज्यिक बोली खोलने के समय बुलाया जाता है । वाणिज्यिक बोलियों का तुलनात्मक विवरण संबंधित विभाग द्वारा तैयार किया जाता है तथा कार्य देने के लिए वित्तीय सहमति के न्यूनतम प्रस्ताव आधार पर सिफारिशों के साथ तथा सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से रखा जाता है । इसके पश्चात पूर्ति आर्डर/कार्य सफल बोली लगाने वाले को दे दिया जाता है । अति संवेदनशील/संवेदनशील एयरपोर्ट पर सुरक्षा संबंधी उपकरण का प्रयोग करने के मामले में कुछ देशों से उत्पाद प्राप्त करने हेतु सुरक्षा को देखते हुए नागरिक उड्डयन मंत्रालय से क्लियरेंस ली जाती है ।

(झ) प्रस्तुत, जांच अवधि के दौरान भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा प्रवर्तित निविदा में एएआई द्वारा प्रस्तुत हेमन्न सिस्टम जर्मनी, ईसीआईएल रेपिस्केन और पर्किन एल्मर की तुलनात्मक कीमतें नीचे दी गई हैं:-

		2001-2002 (अप्रैल 2001 से दिसम्बर 2001 जांच अवधि)	
क्र.सं		6040 I (मात्रा 28)	9075 (मात्रा 11)
1.	हेमन्न सिस्टम आईएनसी, कनाडा	सीआईएफ *** अमेरिकी डालर एलवी + परिवहन बीमा प्रस्थापन परीक्षण, कमीशनिंग, प्रभार, *** रूपए वार्षिक रख-रखाव प्रभार-(*** वर्षों के लिए औसतन प्रति वर्ष)- ***/रूपए कुल यूनिट लागत + एएमसी-***/- रूपए	सीआईएफ *** अमेरिकी डालर एलवी + परिवहन बीमा, कमीशनिंग, प्रभार *** रूपए वार्षिक रख-रखाव प्रभार-(*** वर्षों के लिए औसतन प्रति वर्ष)- ***/रूपए कुल यूनिट लागत + एएमसी- ***/-रूपए
2.	पर्किन एल्मर इन्स्ट्रूमेंट सिंगापुर	सीआईएफ *** अमेरिकी डालर	सीआईएफ *** अमेरिकी डालर

		एलवी + परिवहन बीमा प्रस्थापन परीक्षण, कमीशनिंग, प्रभार, *** रूपए	एलवी + परिवहन बीमा, प्रस्थापन, परीक्षण कमीशनिंग, प्रभार *** रूपए
		वार्षिक रख-रखाव प्रभार-(*** वर्षों के लिए औसतन प्रति वर्ष)- ***/-रूपए कुल यूनिट लागत + एएमसी-***/- रूपए	वार्षिक रख-रखाव प्रभार-(*** वर्षों के लिए औसतन प्रति वर्ष)- ***/-रूपए कुल यूनिट लागत + एएमसी- ***/-रूपए
3.	ईसीआईएल-रेपिस्केन	*** रूपए *** अमरीकी डालर वार्षिक रख-रखाव प्रभार-(*** वर्षों के लिए औसतन प्रति वर्ष)- ***/-रूपए कुल यूनिट लागत + एएमसी- ***/-रूपए	*** रूपए *** अमरीकी डालर वार्षिक रख-रखाव प्रभार-(*** वर्षों के लिए औसतन प्रति वर्ष)- ***/-रूपए कुल यूनिट लागत + एएमसी- ***/-रूपए

मै0 हेमन्स सिस्टम द्वारा दी गई कीमतें, याधिकाकर्ता द्वारा 8040 के लिए दी गई कीमतों से तकरीबन *** तथा 9076 के लिए याधिकाकर्ता की कीमतों से *** कम हैं।

II. नियामक संक्रिया निदेशालय, खान मार्केट, नई दिल्ली

1. इस निदेशालय ने मै0 ईसीआईएल/मै ईसीआईएल-रेपिस्केन से 1989 से खरीदी गई एक्सबीआईएस जो विभिन्न क्षेत्र संघटनों में लगाई गई हैं के संबंध में सूचना प्रस्तुत की है।

2. 1999 से, मंत्रालय के निर्देश अनुसार कार्यात्मक एक्सबीआईएस को मै0 ईसीआईएल रेपिस्केन के साथ व्यापक केन्द्रीकृत वार्षिक अनुसंधान संविदाओं के अंतर्गत रखा गया है। मै0 ईसीआईएल रेपिस्केन द्वारा प्रदत्त की जा रही अनुसंधान सेवायें, कुछ मामलों में थोड़ी बहुत समस्याओं को छोड़कर जिन्हें आपस में सुलझाया जा रहा है, संतोषजनक हैं।

(III) जीई कैपिटल

1. 11 सितम्बर के बाद से हमने 3 एक्स रे + सिस्टम आयात किए हैं जिसकी हमारे सुरक्षा दल को मेलरूम तथा अन्य संबंधित कार्यकलापों का पता लगाने के लिए आवश्यकता थी।

- विस्फोटक (विशेषरूप से प्लास्टिक जिसका पता मेटल डिटेक्टर से जांच में नहीं चलता)
- तस्कर किए जा रहे शस्त्र या;
- वैषिक जैविक या रसायनिक सामग्री

2. इसे हमने मै. हेमन् से लिया था क्योंकि इन्होंने हमें बहुत ही प्रतिस्पर्धात्मक बरें दी थीं।
3. इस मामले में हमारी और कोई रूचि नहीं क्योंकि यह एककालिक कार्यकलाप था।

(ख) निर्यातकों के विचार

1. मै0 हेमन् सिस्टमज जीएमबीएच ने निर्यातक प्रस्तावों का प्रत्युत्तर दिया है तथा उसका प्रयोगनीय साक्ष्य प्रस्तुत किया है।

2. सभी आईएल उपभोक्ताओं के साथ या तो हेमन् के बिक्री दल द्वारा सीधे चर्चा करके या उपभोक्ताओं से छान बीन करने का परिणाम हैं अथवा अंतर्राष्ट्रीय निविदाओं के अनुसार है। हेमन् बिक्री प्रक्रिया में, आईएसओ 9001 प्रमाणीकरण के अनुसार कोटि प्रबंध पुस्तिका में रखी गई प्रक्रियाओं का अनुसरण किया जाता है।

3. प्रक्रियाओं में विभिन्न विशिष्टताओं, पर्यावरणिक परिस्थितियों, स्तर तथा विशेष उपकरण, निर्यात विनियम वित्तीय नियम और शर्तों तथा वितरण नियम व शर्तों को ध्यान में रखा जाता है।

4. एक्सबीआईएस जैसे परिष्कृत उत्पादों की जांच में पर्याप्त समस्याएँ आती है।

4. 1 जुलाई, 2002 को आयोजित मौखिक सुनवाई के अनुसरण में हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए निवेदन तथा प्रत्युत्तर।

(क) मै0 हेमन् सिस्टमज जीएमबीएच, जर्मनी

1. इसीआईएल रेपिस्केन लि0 ओएसआई सिस्टमज आईएनसी से संबद्ध तथा उनके नियंत्रण में है क्योंकि 51% हिस्सा ओएसआई सिस्टमज आईएनसी का है। इसीआईएल रेपिस्केन लि0 (इसीआर) भारत के घरेलू निर्माता/उत्पादक नहीं है अतः उन्हें यादिका वायर करने का कोई अधिकार नहीं है। इसीआईएल के अवयवों और प्रौद्योगिकी के मुख्य स्रोत ओएसआई सिस्टमज आईएनसी/रेपिस्केन है।

2. भारत में निर्माण संबंधी कार्यकलाप इसीआईएल द्वारा किए जाते हैं न कि इसीआर द्वारा।

3. इसीआईएल रेपिस्केन लि0 ने भारतीय बाजार में एक्सबीआईएस की बिक्री पर अप्रत्यक्ष रूप से एकाधिकार कर रखा है। जिसके परिणामस्वरूप भारत में एक्सबीआईएस मशीनों के कीमत स्तर, विश्व में अन्य किसी स्थान के कीमतों से अधिक है। इस समय एक्सबीआईएस के लिए भारत में बाजार में दो खण्ड शामिल है (1) पुलिस तथा मिलिटरी को बिक्री सहित यादिकाकर्ता के लिए पूर्णतः आरक्षित अवरुद्ध बाजार; (2) अनारक्षित बाजार जिसमें अन्य सप्लायरों की अभी हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय निविदाओं के माध्यम से सीमित पहुँच हुई है।

4. इसीआईएल रेपिस्केन लि0 पाटनरोधी सुरक्षा के लिए पात्र नहीं है क्योंकि भारतीय कानून के अधीन इसका आधार नहीं है। भारत में एक्सबीआईएस के इसीआईएल एकमात्र निर्माता हैं।

5. ईएलआईएल रेपिस्केन लि0 समान उत्पाद के निर्यातकों से संबद्ध है। रेपिस्केन, इसीआईएल द्वारा अंतिम रूप से पुरजे जोड़ने के लिए भारत को प्रौद्योगिकी और एक्सबीआईएस किटें निर्यात करता है तथा पूर्णतः सज्जित एक्सबीआईएस मशीनें भी निर्यात कर सकता है।

6. ईएलआईएल रेपिस्केन लि0 समान उत्पाद के आयातकों से संबद्ध है।

7. यह जांच पाटन के प्रथम दृष्टया जांच के आधार पर आरंभ की गई थी जो पूर्णतः 2001 के अंत में ब्राजील में निविदा प्रक्रिया के समय हेमन्न द्वारा उद्धृत कथित कीमत पर आधारित है। वास्तव में बेची गई मशीन जिस निविदा के अनुसार थी वह 6030 डीआई थी जो याचिका में कथित 6040 डी से पूर्णतः भिन्न मॉडल है। इस मॉडल का जांचाधीन मॉडल से केवल अलग टनल आकार है अपितु इसमें ब्राजील उपभोक्ता द्वारा विशेष रूप से आग्रह की गई बड़ी हुई तकनीकी विशिष्टताएँ हैं। यदि बेची गई मशीन ब्राजील निविदा अनुसार है जिसमें मॉडल 6040 डी है तो जांचाधीन मॉडल 6040 आई की तुलना में कई आवश्यक समायोजन करने होंगे।

8. **क्षति:-** भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण निविदा की हानि के बाद अक्टूबर 2001 में मीडिया ने रिपोर्ट दी थी कि याचिकाकर्ता पिछले वर्ष में 5.3 मिलियन अमेरिकी डालर की तुलना में वित्तीय वर्ष 2001-2002 में 9.2 मिलियन अमेरिकी डालर का बिक्री लक्ष्य दिखाया था। याचिकाकर्ता, अपने बिक्री प्रस्तुति और लाभ-प्रदता के संबंध में याचिकाकर्ताओं के सार्वजनिक वक्तव्यों के परस्पर विरोधी लगता है। क्षमता और रोजगार से कोई वास्तविक क्षति नहीं दिखाई देती। याचिकाकर्ता ने कीमत कटौती पर कोई सूचना प्रदान नहीं की है। कोई भी आरोप यदि सत्य है तो उनकी पुष्टि नहीं की जा सकती क्योंकि इस प्रकार की कीमत कटौती का कारण भारत में एकल कीमतों की विद्यमानता को ठहराया जायेगा। हेमन्न ने भारत में एक्सबीआईएस को जिन कीमतों पर बेचा वे विश्व में प्रतियोगी बाजारों में कीमतों के पूर्णतः अनुरूप थीं। वास्तविक क्षति के दावे के समर्थन करने के लिए एकल हानि बिक्री अपर्याप्त है।

हेमन्न सिस्टमज जीएमबीएच का प्रत्युत्तर

1. उपभोक्ता, अच्छी कोटि और कम सुरक्षा जोखिमों के कारण याचिकाकर्ताओं के स्थान पर हेमन्न की मशीनों को प्राथमिकता देते हैं। याचिकाकर्ता ने निविदा प्रक्रिया को निम्नलिखित अनुसार वर्णित किया है: 'इन निविदाओं का मूल्यांकन दो टायर प्रणाली के अंतर्गत किया जाता है। प्रथम मूल्यांकन एक तकनीकी मूल्यांकन है तथा दूसरा वित्तीय/वाणिज्यिक मूल्यांकन है। सभी तकनीकी मूल्यांकनों में घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान किए जा रहे उत्पाद को अन्य निर्यातकों द्वारा दिए जा रहे उत्पाद के समकक्ष माना जाता है।

वास्तव में याचिकाकर्ता का वक्तव्य या तो जांच को समाप्त करने का समर्थन करता है या याचिकाकर्ता के निवेदन की अवधारणा तथा/या भ्रमिष्ठ प्रकृति पर बल डालता है। ईसीआईएल रेपिस्केन से हेमन्न के कार्य-निष्पादन के महत्व को मूल्यांकन के रिपोर्ट सारांश में देखा जा सकता है।

एक्स-रे बीआईईएसपीएल का प्रकार	कैपनआईएफई	डब्ल्यूपीएन	आईईडी	
ईसीआईएल रेपिस्केन लि०	26.60 %	40.00 %	66.70 %	59.20 %
हेमन्न सिस्टमज	90.50 %	86.70 %	93.30 %	95.60 %
पकिन एलमर	शून्य	53.30 %	80.00 %	81.50

2. सुधार के लिए याचिकाकर्ता के पास आधार नहीं है।

3. याचिकाकर्ता अपनी मशीनों की घरेलू मात्रा के संबंध में अपने दावे के समर्थन में कोई प्रमाणिक साक्ष्य उपलब्ध नहीं करा सका।

(3) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण: लिखित निवेदन

1. याचिका का आधार है, *** अमेरिकी डालर की यूनिट दर पर मॉडल 6040 आई 28 सं० तथा *** अमेरिकी डालर की यूनिट दर पर 11 सं० मॉडल 9075 एचआई ट्रेक्स (सीमाशुल्क और अन्य करों को छोड़कर) के लिए हेमन्न सिस्टम आईएनसी, क्यूबेक, कनाडा को दिनांक 23 अप्रैल, 2001 (एएआई का प्रत्युत्तर अनु. पृष्ठ *** - ***) के आर्डर के अनुसार एएआई को हेमन्न सिस्टम जीएमवीएच वेसबेडन, जर्मन द्वारा सिस्टमज की पूर्ति तथा 14 सं० मॉडल 6040 आई तथा 5 सं० मॉडल 9075 हाई टैक्स हेतु हेमन्न सिस्टमज पीटीई लि० सिंगापुर (एशिया पैसिफिक) का दिनांक 3 अक्टूबर, 2001 का दुबारा आर्डर (पृष्ठ *** पर अनुबंध 'घ')। (पहुँच के बीजक और बिल तथा संबंधित दस्तावेज पृष्ठ *** - *** और पृष्ठ *** - *** पर प्रस्तुत किए गए हैं)

2. यह भी उल्लेख किया गया है कि एएआई ने उसके पश्चात 27 मई, 2002 को ग्लोबल निविदा जारी की जिसमें भारत के विभिन्न एयरपोर्टों पर XBIS मशीनों की पूर्ति के लिए मद दर निविदाएं आमंत्रित की गई थी तथा जो 19 जुलाई, 2002 तक देय है और खोली जायेंगी।

3. जांच आरंभ करने संबंधी अधिसूचना में यह उल्लेख किया गया है कि याचिकाकर्ता ने ई यू (जर्मनी) में सामान्य मूल्य का दावा किया है जिसका आधार ब्राजील डाक सेवाओं के अंतर्राष्ट्रीय निविदा में ब्राजील सरकार डाक सेवा को उद्धृत मै० हेमन्न की कीमतें हैं जो मॉडल 6040 डी हेतु दिनांक 10/2001 के एक्सरे उपकरण की मांग के लिए थीं तथा यह 6040आई जैसा ही मॉडल है जिसमें उपभोक्ता तथा 9075 के लिए थोड़े बहुत संशोधन किए गए हैं। हेमन्न के निवेदित भाव मॉडल 6040डी के लिए तथा यह वह मॉडल नहीं है जो एएआई को दिया गया था। ब्राजील सरकार डाक सेवाओं को उद्धृत या दिए गए विशेष मॉडल 6040डी की मुख्य विशेषताएं तथा विशेषताएं और न ही हेमन्न की कीमतें तथा बिक्री संबंधी शर्तें एएआई को उपलब्ध कराई गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह एक "समान वस्तु" है तथा मॉडल 6040 डी के लिए उद्धृत हेमन्न की कीमतें "सामान्य मूल्य" है। ए ए आई को दिए गए मॉडल के संबंध में सामान्य मूल्य हैं या हो सकती है।

4. हेमन्त ने उल्लेख किया है कि ब्राजील पोस्टल सर्विसज की निविदा अनुसार वास्तव में बेची गई मशीन पूर्णतः अलग है तथा यह तथ्य कि ब्राजील को 8030डीआई मॉडल की बिक्री में शामिल निविदा का अर्थ है कि भारत में जांचाधीन मॉडल 8040 आई की तुलना मिश्रित समायोजनों के बिना असंभव है ।
5. निविदा आमंत्रित करने का उद्देश्य ऐसे ठेकेदार की फर्म जो स्वीकृति देने में सक्षम है ताकि उसे तथा बाध्यकारी संविदा में परिवर्तित किया जा सके । निविदा एक प्रस्ताव है जो कुछ आमंत्रित करता है एवं अधिसूचित स्वीकृति प्रदान करता है । नियोक्ता पर निम्नतम या अन्य निविदा स्वीकार करने की कोई बाध्यता नहीं है ।
6. ग्लोबल निविदा में अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मक बोलिया आमंत्रित की जाती हैं तथा इससे प्रतिस्पर्धा उत्पन्न होती है एवं जिसके परिणामस्वरूप कीमत में कमी होती है या कम लाभ मार्जिन प्राप्त होता है । इससे क्रेता उत्तम व्यक्ति तथा उत्तम निवेदित भाव का चयन कर सकता है । अनुचित प्रतिस्पर्धा या अनैतिक व्यापार प्रणाली का प्रश्न ही नहीं उठता । भारत को निर्यातित वस्तुएं क्रेता-विशिष्ट हैं तथा निविदा के अनुसार दिए गए विशिष्ट आर्डर से सम्बद्ध हैं । अनुचित प्रतिस्पर्धा या अनैतिक व्यापार प्रणाली का प्रश्न ही नहीं है । भारत को निर्यातित वस्तुएं क्रेता विशिष्ट हैं तथा निविदा के अनुसरण में दिए गए विशिष्ट आर्डरों से सम्बद्ध हैं । इसका वस्तुओं को पाटित करने या आयात देश के बाजार में वास्तविक मांग और आवश्यकता से अधिक या बड़ी मात्रा में रखने का कोई विचार नहीं है ।
7. संगत ग्लोबल निविदा की मांग के प्रत्युत्तर में ईसीएलएल रेपिस्केन लि० ने अपनी निविदा प्रस्तुत की थी जिसमें इसके मुख्य घटक मलेशिया के आप्टो सेंसर (एम)एसडीएनबीएचडी(ओएसआई

का सहायक) की ओर से देशज मशीन और आयातित मशीन का प्रस्ताव रखा है। विभिन्न निविदाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत संशोधित वाणिज्यिक का तुलनात्मक विवरण जो 16 अप्रैल, 2001 को खुला था, दिया गया है।

8. इससे पहले ईएलआईएल रेपिस्केन लि० को 12 मई, 1999 को एक आर्डर प्राप्त हुआ था जो एएआई द्वारा ***अमरीकी डालर की यूनिट दर पर 27 नं० मॉडल आरएपी 520 तथा *** अमरीकी डालर की यूनिट दर पर 8 नं० मॉडल आरएपी 528 ए की पूर्ति के लिए पहली निविदा के अनुसरण में दिया गया था तथा जिसे मलेशिया के आप्टो सेंसर द्वारा भारत को निर्यात किया गया था।

9. एएआई ने 5 नं० मॉडल आरएपी तथा 4 नं० मॉडल आरएपी 528ए की पूर्ति के लिए ईसीआईएल रेपिस्केन लि० को दिनांक 7 फरवरी, 2002 को एक बुबारा आर्डर दिया था तथा जिसे भारत को आप्टो सेंसर मलेशिया द्वारा निर्यात किया गया था।

10. वर्ष 1998 में ईएलआईएल रेपिस्केन लि० को 27 अक्टूबर, 1998 को एक आर्डर मिला था जिसे एएआई ने ***रु० की यूनिट दर पर 5 नं० मॉडल ईसीआर520 तथा ***/-रु० की यूनिट दर पर एक नं० मॉडल ईसीआर 528 ए की पूर्ति के लिए दिया था।

11. ओएसआई की ओर से जिसका स्वामित्व या 51 % एक्टिविटी शेयरों के संबंध में वोट अधिकार का नियंत्रण है तथा संयुक्त उद्यम करार में शामिल शर्तों के अनुसार ईसीआईएल रेपिस्केन लि० ओएसआई की एक सम्बन्ध कंपनी या सहायक कंपनी है तथा प्रबंधन और व्यापार कार्यों के संबंध में सीधे ओएसआई के नियंत्रण में है।

12. इसीआईएल ने घरेलू उद्योग के रूप में कोई आवेदन पत्र दाखल नहीं किया है तथा किसी भी मामले में इसीआईएल लि० प्रथमतः भारत में सम्बद्ध वस्तुओं का आयातक है या भारत में आयातित वस्तुओं के सप्लायर हैं तथा दूसरे भारत को वस्तुओं का निर्यातक होने तथा ओएसआई की सहायक कंपनी आप्टो सेंसर, मलेशिया के माध्यम से एएआई को वस्तुओं सप्लाय करने के कारण ओएसआई से जुड़ी हुई है।

13. विचाराधीन उत्पाद पर कोई भी पाटनरोधी शुल्क लगाने से प्रतिस्पर्धा बुर होगी तथा एएआई को पूर्ति के उपलब्ध स्रोतों तक पहुँचने से रोकता है।

14. 1.7.2002 को आयोजित सुनवाई में यह देखा गया कि एएआई ब्राजील पोस्टल सर्विसिज़ को दिए गए मॉडल 8040 जी तथा एएआई को दिए गए मॉडल 8040 आई के बीच के अंतर तथा कीमत अंतर को स्पष्ट करना होगा। अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी उपर्युक्त दस्तावेज़ अर्थात् पत्रिका जी ब्रासीला तथा इसका अंग्रेजी अनुवाद प्रस्तुत करें जिसमें मै० हेमन्न सिस्टमज़ द्वारा ब्रासील पोस्टल सेवाओं को बेची गई एक्स बी आईएस मॉडल का प्रकाशन इसकी कीमतों के साथ किया गया है जो निवेदन करने के लिए आवश्यक है।

जेट एयरवेज (इंडिया) प्रा० लि० के दिनांक 12 जुलाई, 2002 के निवेदन के संदर्भ में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण का प्रत्युत्तर

1. जेट एयरवेज ने उल्लेख किया है कि उन्होंने विभिन्न निर्माताओं द्वारा प्रस्तुत उपकरण के तकनीकी मूल्यांकन के आधार पर मुम्बई एयरपोर्ट पर द्वितीय सुरक्षा जांच करने के लिए मॉडल 8040 आई की 5 एक्सरे मशीनें मंगाने के लिए हेमन्न सिस्टमज़ जीएमबीएच को आर्डर दिया था तथा मूल्यांकन दल ने पाया था कि हेमन्न सिस्टमज़ का कार्य अन्य ठेकेदारों अर्थात् इसीआईएल रेपिस्कोन लि० और पार्किन एएल्मेर, यूएसए से अच्छा था।

2. जेट एयरवेज मूल्यांकन रिपोर्ट के संगत पैरा 8 जी में बताया गया है कि परीक्षण की गई तीन मशीनों में से हेमन्न सिस्टमज़ का कार्य निम्नलिखित में सबसे उत्तम पाया गया :-

- विस्फोटकों को पता लगाने में
- नकली शस्त्रों का पता लगाने में
- चाकूओं का पता लगाने में

- आईइडी का पता लगाने में
- एक्स रे प्रभाव का स्तर

3-भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण जेट एयरवेज के निवेदन तथा इसके द्वारा प्रस्तुत की गई मूल्यांकन रिपोर्ट पर निर्भर होगा

(ग) जेट एयरवेज (इंडिया) प्रा० लि०

1. मै० हेमन्स सिस्टमज लि० के साथ हमारे संबंधों से यह तथ्य निकलता है कि हमने मुम्बई एयरपोर्ट पर द्वितीय सुरक्षा जांच के लिए उपर्युक्त कंपनी से 5 एक्सरे मशीनें (HISCAN 60401) प्राप्त करने के लिए आर्डर दिया है।

2. मै० हेमन्स सिस्टमज को उपर्युक्त आर्डर देने का आधार भारतीय बाजार में विभिन्न निर्माताओं नामतः मै० ईसीआईएल रेपिस्केन, मै० हेमन्स सिस्टमज लि० तथा मै० पर्किन एल्मर यूएसए द्वारा दिए गए उपकरण का तकनीकी मूल्यांकन है। यह मूल्यांकन एक समिति द्वारा किया गया था जिसमें सम्बद्ध सुरक्षा क्षेत्र के तीन विशेषज्ञ शामिल थे। वो सदस्यों का चयन जेट एयरवेज से किया गया था जांच दल के अध्यक्ष विभिन्न एक्सरे बीआईएस के विशेषज्ञ थे जिनकी सेवायें सुरक्षा आयुक्त द्वारा उपलब्ध कराई गई थीं।

3. मूल्यांकन दल ने पाया कि मै० हेमन्स सिस्टमज का कार्य अन्य प्रतियोगियों अर्थात् मै० ईसीआईएल रेपिस्केन तथा मै० पर्किन एल्मर से अच्छा था। उपर्युक्त के आधार पर आर्डर मै० हेमन्स सिस्टमज को दे दिया गया। यहां यह उल्लेख करना उचित होगा कि हमारा निर्णय भारतीय वातावरण में उपकरण के कार्य निष्पादन के आधार पर था न कि लागत के कारण। उपर्युक्त मूल्यांकन रिपोर्ट की प्रति संलग्न है। इन परिस्थितियों में हमारा आपसे अनुरोध है कि मामले में आगे की कार्रवाई समाप्त कर दें।

घ) यूरोपियन कमीशन का प्रतिनिधिमंडल लिखित निवेदन

1. उपलब्ध सूचना के आधार पर यूरोपियन कमीशन का मानना है कि याधिका में पर्याप्त प्रमाण नहीं हैं तथा जांच आरंभ करने के लिए आवश्यक साक्ष्य नहीं हैं।

2. निर्दिष्ट प्राधिकारी अपने कार्यात्मक दायित्व को पूरा करने में अक्षम रहा जिसके परिणामस्वरूप कार्रवाई के इस प्रारंभिक स्तर पर भी यूरोपियन निर्यात के अपनी रक्षा करने की

क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। इन प्रक्रियात्मक कमियों में शामिल हैं (1) प्रश्नावली का अपना उत्तर प्रस्तुत करने के लिए यूरोपियन निर्यातक के समय बढ़ाने के अनुरोध का उत्तर न दिया जाना; (2) ऐसे दस्तावेजों को गोपनीय रखना जो स्पष्टतः गोपनीय प्रकृति के नहीं हैं जैसे समाचार पत्र के उद्धरण; तथा (3) सार्वजनिक फाईल की पंहुच में विलम्ब।

3. इसके अतिरिक्त निर्दिष्ट प्राधिकारी ने निर्धारित किया कि ब्राजील में बिक्री संबंधी याचिकाकर्ता के आरोप के आधार पर प्रथम दृष्टया पाटन का मामला था परंतु यह आरोप वास्तव में ब्राजील में यूरोपियन निर्यातक द्वारा वास्तव में बेचे गए उत्पाद से अलग उत्पाद से संबंधित है तथा जांच का आरंभ किया जाना डब्ल्यू टी ओ पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 5.2 (iii) का उल्लंघन है।

4. यह भी नोट किया जाना चाहिए कि याचिकाकर्ता भारत में एकमात्र उत्पादक है तथा पाटनरोधी शुल्क के लगाए जाने से उल्लेखनीय रूप से प्रतिस्पर्द्धा का प्रभाव पड़ेगा जिससे ध्यान में रखा जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त कथित क्षति के संबंध में याचिकाकर्ता की आर्थिक क्षमता पर भी प्रश्न उठाया गया है क्योंकि उसे बहुत अधिक सीमा शुल्क का पहले से लाभ हो रहा है। इन परिस्थितियों में याचिकाकर्ता द्वारा कथित किसी भी प्रकार की क्षति वास्तव में आयातों के कारण नहीं है।

5. यूरोपीयन कमीशन का विचार है कि इस जांच को जारी रखने के कोई पर्याप्त साक्ष्य नहीं है।

यूरोपीयन कमीशन द्वारा व्यक्त किए गए विचारों पर प्राधिकारी द्वारा जांच

1. वर्तमान जांच, पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर प्रारंभ की गई थी।

2. जांच आरंभ करने संबंधी अधिसूचना का प्रत्युत्तर देने की अंतिम तारीख 27 मई, 2002 थी। मै0 हेमन सिस्टमज जीएमबीएच ने दिनांक 15 मई 2002 के पत्र द्वारा प्राधिकारी से प्रश्नावली की समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया था क्योंकि बिक्रियों और लागतों के संबंध में बड़ी मात्रा में सूचना एवं आंकड़े दिए जाने की आवश्यकता होगी। मई, 2002 के दौरान जर्मनी में काफी सार्वजनिक अवकाश होने तथा मुख्य व्यक्ति के अनुपस्थित रहने के कारण हेमन्न प्रश्नावली के प्रत्युत्तर में आवश्यक, संगत सूचना तथा आंकड़े देने में विलम्ब कर रहा था। उपर्युक्त कारणों से

हेमन् ने 14 जुलाई 2002 तक समय बढ़ाने का अनुरोध किया था, जिसे प्राधिकारी ने मान लिया था। इस प्रकार प्राधिकारी द्वारा दिया गया अतिरिक्त समय 18 दिन का था।

3. प्राधिकारी उन दस्तावेजों की प्रकृति के बारे में नहीं जानता था जिन्हें गोपनीय माना गया था। जांच आरंभ करने तक सभी हितबद्ध पार्टियों द्वारा जांच के लिए सार्वजनिक फाइल को खुला रखा गया था।

6. सक्षम प्राधिकारी ने निर्धारित किया कि मै0 हेमन् द्वारा ब्राजील में बिक्री के आधार पर प्रथम दृष्टया पाटन का मामला था। यह आरोप विचाराधीन उत्पाद अर्थात् एक्स रे बैगेज इन्सपेक्शन सिस्टमज से संबंधित है। ब्राजील में बेचे गए मॉडल भारत में निर्यातक द्वारा बेचे गए मॉडलों से भिन्न हैं। जैसा कि जांच आरंभ करने संबंधी अधिसूचना में उल्लेख किया गया है। प्राधिकारी ने जांच आरंभ करने के उद्देश्य हेतु सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए मै0 हेमन् की ब्राजील की कीमतों को स्वीकार किया है।¹ ब्राजील डाक प्राधिकरण की कीमतें ही पाटन दर्शाने हेतु उपलब्ध प्रथम दृष्टया साक्ष्य हैं।

इ) याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए विचार-लिखित निवेदन:

1. इन जांच प्रणालियों को सामान्यतः निविदा प्रणाली के अधीन लाया जाता है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण इन प्रणालियों का मुख्य उपभोक्ता है। इसके अतिरिक्त सीमाशुल्क पुलिस, संग्रहालय, टीटीडी, सुरक्षा एजेंसियां आदि जैसे विभाग भी अपने प्रयोग के लिए ये मशीनें खरीदते हैं। क्रेताओं द्वारा इनकी विशिष्टताएं निविदा दस्तावेजों में स्पष्टतः दर्शायी गयी है। निर्यातक तथा घरेलू उद्योग दोनों ने ऐसी निविदाओं को उद्धृत किया है। इन निविदाओं का मूल्यांकन दो टायर प्रणाली के अंतर्गत किया जाता है। प्रथम मूल्यांकन एक तकनीकी मूल्यांकन है तथा दूसरा वित्तीय/वाणिज्यिक मूल्यांकन है। सभी तकनीकी मूल्यांकनों में, घरेलू उद्योग के उत्पाद को अन्य निर्यातकों के उत्पाद के समकक्ष माना जाता है। इससे यह तथ्य स्पष्ट होता है कि घरेलू रूप से उत्पादित वस्तु उसी वस्तु के समान है जो पाटन के कारण जांचाधीन है।

2. मौखिक सुनवाई के दौरान भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और सीमाशुल्क विभाग ने निरपेक्ष रूप से बताया है कि घरेलू उत्पादक की एक्सबीआईएस निर्यातक द्वारा दिए जा रहे उत्पाद के समान वस्तु है। उपर्युक्त को देखते हुए विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में कोई मुद्दा नहीं है।

3. घरेलू उद्योग का आधार:- यहाँ यह नोट करना उपयुक्त होगा कि " घरेलू उद्योग " शब्द की परिभाषा का अर्थ यह नहीं कि समान वस्तु पूर्णतः उत्पादक द्वारा उत्पादित की जा सकती है । कानून के तहत यह स्वीकार्य है कि घरेलू उत्पादक समान वस्तुओं का विनिर्माण या स्वयं करता है या पूरा का पूरा या हिस्सों में किसी और से बनवा सकता है । विनिर्माताओं की सहायता करना या छुटपुट काम के आधार पर विनिर्माण करने की संकल्पना को कानून में मान्यता प्राप्त है । इस मामले में ईसीआईएल रैपिस्कॉन लि० X बीआईएस प्रणाली के विनिर्माण, विपणन, विक्रय, बिक्री उपरांत सेवाई में लगी है । वर्तमान में इन सभी गतिविधियों में यह छुट पुट काम आधार पर ई सी आई एल से प्रणालियों का विनिर्माण करवा रही है । संयुक्त उद्यम करार का अनुच्छेद 2.4 स्पष्ट रूप से इस बात का उल्लेख करता है कि अन्य बातों के साथ साथ किसी कंपनी का सामान्य व्यापार प्रयोजन भारत में उत्पाद का विनिर्माण जोड़ना तथा परीक्षण करना होगा । उत्पादों के विनिर्माण से संबंधित अनुच्छेद 7.1 इस बात का स्पष्ट रूप से उल्लेख करता है कि ई सी आई एल ने ई सी आई एल रैपिस्कॉन के लिए तथा उसकी ओर से उत्पादों का विनिर्माण करना स्वीकार कर लिया है इसके अतिरिक्त कथित अनुच्छेद ई सी आई एल को अन्य उत्पादकों के उत्पादन में उप संविदा उप एकत्रण में सक्षम बनाता है । विनिर्माण या घरेलू उत्पादकों की अवधारणा यह नहीं है कि समग्र विनिर्माण या उत्पादन आवेदन करने वाले व्यक्ति के द्वारा ही नहीं किया जाएगा । इसके अतिरिक्त कथित अनुच्छेद यह भी बताता है कि ई सी आई एल जो कि संयुक्त उद्यम वाली कंपनी के लिए एवं उसकी ओर से उत्पादों का विनिर्माण करता है वह संयुक्त उद्यम वाली कंपनी के अतिरिक्त अन्य किसी व्यक्ति या हस्ती को इन उत्पादों का विक्रय नहीं करेगा । सावधानी के तौर पर याचिकाकर्ता ने पहले ही ई सी आई एल द्वारा आवेदन के मार्फत दिए गए समर्थन को दर्ज कर लिया है ।

4. ई सी आई एल रैपिस्कॉन एक भारतीय कंपनी है जिसका संगठन एवं पंजीकरण कंपनी अधिनियम 1956 के अंतर्गत किया गया है । यह विदेशी कंपनी नहीं है । यह अधिक महत्वपूर्ण नहीं है कि इसके सारे या अधिकांश शेयर विदेशी कंपनी के पास हैं । जब तक कि विनिर्माण प्रक्रिया भारत में पंजीकृत कंपनी द्वारा भारत में की जाती है, तब उसे घरेलू उत्पाद का दर्जा दिया जाएगा ।

5. ई सी आई एल रेपिस्कॉन लि० समान वस्तुओं के निर्यातकों से संबंधित नहीं हैं। वास्तव में समान वस्तुओं का आयात भारत में बिल्कुल भी नहीं किया जाता। समान वस्तुओं का विनिर्माण उन्हें जोड़ना तथा उनका परीक्षण ही भारत में किया जाता है। कुछ संघटक तथा हिस्सों का आयात मलेशिया से किया जाता है। यदि हम विनिर्मित उत्पादों के अंतिम मूल्य पर विचार करें, जिसमें विनिर्माण प्रक्रिया के दौरान ई सी आई एल द्वारा जोड़ा गया मूल्य भी शामिल है, तो आयातित संघटकों के कुल मूल्य का अनुपात 50% से अधिक होगा। इसके अतिरिक्त आयात मलेशिया से हुए थे यूरोपीय संघ से नहीं। स्टर्लाइट इंडस्ट्रिज लि० बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार जांचाधीन देशों से समान वस्तु के आयात ही घरेलू उत्पादक को घरेलू उद्योग का हिस्सा बनने के अयोग्य ठहराता है। यहां यह मामला नहीं है।

6. ई सी आई एल रेपिस्कॉन लि० या ई सी आई एल उन मशीनों का आयात नहीं करता है अतः ई सी आई एल रेपिस्कॉन लि० का समान वस्तुओं के आयातकों जैसे भारतीय विमानाप्तन प्राधिकारी, इंडियन एयरलाइंस और सीमाशुल्क विभाग इत्यादि से संबंध नहीं माना जा सकता।

7. एक्स बी आई एस के विनिर्माण के लिए आयातित भागों एवं संघटकों का आकलन उपभोक्ताओं द्वारा बैगेज प्रणाली के रूप में नहीं अपितु भागों एवं संघटकों के रूप में किया जाता है। ई सी आई एल ने अन्य संघटकों को स्वदेशी रूप से ही प्राप्त किया तथा मूल्य जोड़ा था जिसके परिणामस्वरूप बैगेज प्रणाली का विनिर्माण हुआ। इस प्रकार की बनाई गई प्रणाली जो कि ई सी आई एल रेपिस्कॉन लि० को बेची गई थी ई सी आई एल उस पर उत्पाद शुल्क देती है। यह स्पष्टतः इस बात का उल्लेख करता है कि कार्यकर्ताओं द्वारा किए जाने वाले कार्यकलापों से ही विनिर्माण होता है। अतः अंशों एवं संघटकों के आयात को तैयार प्रणाली का आयात नहीं माना जा सकता है। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए स्थाई मामलों पर हाइमेन प्रणाली के निवेदनों को अनदेखा कर देना चाहिए।

8. अन्य औद्योगिक उत्पादों के विपरीत ये वे उत्पाद हैं जिनकी प्राप्ति मुख्यतः संविदा आधार के अंतर्गत की जाती है। बैगेज प्रणाली उन वस्तुओं के समान नहीं है जिनका उत्पादन सामान्य

उत्पादन शुल्कों के अनुसार कर तब उन्हे बेचा जाए। इनका विनिर्माण आदेश प्राप्त करने के पश्चात् संविदा में दी गई विनिर्दिष्टताओं के अनुसार किया जाता है। इन मामलों में प्रणाली की पर्याप्त संख्या के लिए किसी एक संविदा का गंवाना घरेलू उद्योग को क्षति का सूचक है। उदाहरणार्थ ए ए आई ने 220 बैगेज प्रणालियों की खरीद के लिए निविदा आमंत्रित की थी ऐसा अनुमान था इससे एएआई की लगभग 2-3 वर्षों की आवश्यकता पूर्ति हो जाएगी। यदि पाटित कीमतों के कारण यह आदेश गंवा दिया जाता तो पूरे बाजार को ही 2-3 वर्षों के लिए हानि उठानी पड़ती।

अन्य हितबद्ध पार्टियों के लिखित निवेदन पर अधिकारकर्ता का प्रत्युत्तर

1. यह सत्य है कि विश्व स्तरीय निविदा का उद्देश्य अति प्रतिस्पर्द्धी कीमतों पर सर्वोत्तम उपकरण प्राप्त करना है। यह मामला अत्याधिक प्रतिस्पर्द्धी कीमतों का है। कथित कीमतें उचित कीमतें होनी चाहिए न कि पाटित कीमतें।
2. हाईमेन एक निर्यातक है जिन्होंने ब्राजील के प्राधिकारी तथा ए ए आई को दरें बताई हैं। उनको इन प्राधिकरणों को प्रस्तावित उत्पाद के बारे में तथा उनके अंतर्गत् की पूरी जानकारी है। हम निर्दिष्ट प्राधिकारी बनाम हालदोर टॉपसों के मामले में माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी के निर्णय को मानते हैं। इस मामले में हालदोर टॉपसों ने उनके कैंटेलिस्टों की निर्यात कीमत के बारे में तीसरे देश को सूचना उपलब्ध नहीं करवाई। हालदोर टॉपसों ने इस बात के लिए बाध्य किया कि सामान्य मूल्य का निर्धारण उत्पादन लागत तथा लाभ के आधार पर की जानी चाहिए। माननीय उच्चतम न्यायालय ने उनके इन दावे को रद्द कर दिया तथा यह निर्णय दिया कि हालदोर टॉपसों तीसरे देशों को अपनी बिक्री कीमतों के बारे में सूचना उपलब्ध करवाने के लिए सर्वोत्तम स्थिति में है। इस सूचना को रोके रखना उन्हें निर्दिष्ट प्राधिकारी के सम्मुख किसी प्रकार की राहत दिलाने में असमर्थ करार देगी। उपर्युक्त निर्णयों के अनुपात को लागू करने पर हाईमेन ब्राजील डाक प्राधिकारी तथा ए ए आई को प्रस्तावित उत्पाद, उन दोनों के बीच का अंतर इन दोनों को तुलनीय बनाने के लिए आवश्यक समायोजनों इत्यादी के बारे में सूचना देने में सर्वोच्च स्थिति में है। हम निवेदन करते हैं कि ब्राजील प्राधिकारी को दी गई कीमतें पाटन दिखाने के लिए उपलब्ध प्रथम दृष्टया साक्ष्य हैं। यदि एक बार हाईमेन सहयोग करता है तो प्रमाण की जिम्मेदारी निर्यातक पर चली जाती है जिसे

यूरोपीय संघ में समान वस्तुओं की बिक्री कीमतों के ब्यौरों उपलब्ध करवाने चाहिए ताकि प्राधिकारी पाटन मार्जिन का निर्धारण कर सकें। यह यूरोपीय संघ में केवल समान वस्तुओं की बिक्री की अनुपस्थिति में ही होता है कि अन्य देशों के निर्यात कीमत संगत हो जाती है। उनके प्रत्युत्तर का अगोपनीय रूप से खाली है। वास्तव में, उन्हें केवल इसी आधार पर असहयोगी माना जाना चाहिए जैसा कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अन्य मामलों में भी किया गया है।

3. यह आरोप कि यह मामला केवल प्रतिस्पर्धात्मक कारणों से दायर किया गया बिल्कुल असत्य है। जांच स्तरीय क्षेत्र उपलब्ध करवाने तथा उचित प्रतिस्पर्धा को रखने एवं अनुचित प्रतिस्पर्धा को खत्म करने के बारे में है। यह निवेदन कि विश्व स्तरीय निविदा में अनुचित प्रतिस्पर्धा का प्रश्न नहीं उठता बिल्कुल गलत है। यहां तक कि विश्व स्तरीय निविदाओं में भी पाटन होता है।

4. क्षति के संबंध में हम दिनांक 15 जुलाई 2002 के लिखित निवेदनों के पैरा 23 से 25 में निहित निवेदनों को दोहराते हैं। वर्ष 1999 में प्रणाली की आपूर्ति के संबंध में किए गए निवेदन का जांच के प्रयोजनार्थ कोई संबद्धता नहीं है। इसी प्रकार से, संयुक्त उद्यम करार के विभिन्न खंडों के संदर्भ की जांच से कोई संबद्धता नहीं है परन्तु फिर भी लिखित निवेदन में हमारे द्वारा उस पर विस्तृत कार्रवाई की गई है। निवेदन कि पाटनरोधी शुल्कों को लगाने से सारी प्रतिस्पर्धा समाप्त हो जाएगी एक बार फिर से गलत है। पाटनरोधी शुल्क प्रतिस्पर्धा को हटाने के लिए नहीं है अपितु उचित प्रतिस्पर्धा को बनाए रखने के लिए है।

5. जेट एयरवेज के निवेदन से यह देखा जा सकता है कि उपकरण का निष्पादन एवं उसकी लागत ऐसे दो कारक हैं जो किसी विशेष प्रणाली के चुनाव में बहुत सहायता करते हैं। यह हम कीमत कारक से संबंध रखते हैं जो कि पाटनरोधी जांच में निर्णायक कारक है। जेट एयरवेज ने जिस कीमत पर सिस्टम को खरीदा है उसका उल्लेख नहीं किया। इस महत्वपूर्ण सूचना के अभाव में जेट एयरवेज के निवेदन को रद्द कर देना चाहिए। अन्य टिप्पणियां सामान्य प्रवृत्ति की हैं तथा कार्यवाही को समाप्त करने का समर्थन नहीं करती हैं।

6. जेट एयरवेज ने मूल्यांकन रिपोर्ट संलग्न की है। यह मूल्यांकन रिपोर्ट उनकी अपनी टीम द्वारा बनाई गई थी तथा इसे एक्स रे बैगेज इन्स्पेक्शन सिस्टम के मूल्यांकन के लिए निर्धारित प्रतिमानक नहीं माना जा सकता। यह मूल्यांकन विभिन्न स्थानों पर किया गया। परीक्षण मानदंडों के बारे में अग्रिम सूचना नहीं दी गई। टिप्पणियों का अभिलेखन टीम द्वारा किया गया था तथा आपूर्तिकर्ताओं द्वारा इसका समर्थन नहीं किया गया था। महत्वपूर्ण कारक कीमत है जिसके बारे में सूचना नहीं दी गई है।

ग. उठाए गए मुद्दों की जांच

5. याचिकाकर्ता तथा आयातकों द्वारा किए गए अनुरोधों की उस सीमा तक जांच की गई है और उन पर विचार किया गया है जिस सीमा तक ये नियमानुसार संगत हो और मामले पर प्रभाव डालते हो तथा इन जांच परिणामों में उन पर उचित स्थानों पर कार्रवाई की गई है।

घ. जांचाधीन उत्पाद

6. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद एक्स रे बैगेज इन्स्पेक्शन मल्टी एनर्जी सिस्टम (एक्स बी आई एस) है। इसका प्रयोग विस्फोटक अग्निशास्त्र नशीले पदार्थों तथा आयात पोतों पर निषिद्ध माल का पता लगाने सुरक्षा एजेंसियों द्वारा तथा एयरपोर्टों पर किया जाता है। एक्स बी आई एस का कोई प्रतिस्थानी उपलब्ध नहीं है। यह याचिका दो मॉडलों अर्थात् हाइमेन मॉडलज एच एस 6040 तथा एच एस 9075 तथा निम्नानुसार दिए चार प्रकार के आकार (टनेल विस्तार) चौड़ाई x लंबाई के बारे में कथित पाटन के विरुद्ध है:-

चौड़ाई	लंबाई
(क) 600 से 700 मि.मी.	400 से 550 मि.मी.
(ख) 700 से 1000 मि.मी.	550 से 850 मि.मी.
(ग) 1000 से 1200 मि.मी.	800 से 1200 मि.मी.
(घ) 1200 मि. तथा उससे अधिक	1200 मि.मी. तथा उससे अधिक

एक्स रे बैगेज इंस्पेक्शन मल्टी एनर्जी सिस्टम (एक्स बी आई एस) का आई टी सी वर्गीकरण 90.22:1901 है तथा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के सीमाशुल्क उपशीर्ष सं. 90.22.19 के अंतर्गत वर्गीकृत है। हालांकि यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वह किसी भी तरह से वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

ड. समान वस्तुएं

7. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि तकनीकी रूप से भारतीय विनिर्मित उत्पाद आयातित उत्पादों से बेहतर हैं तथा वे स्थानीय वातावरण एवं हैडलिंग के लिए अनुकूल हैं। ई सी आई एल के तुलनीय मॉडल रेपिस्कॉन तथा हाइमेन, जिनके पाटन का आरोप है, निम्न प्रकार से है:-

हाइमेन मॉडल	तुलनीय ई सी आई एल रेपिस्कॉन मॉडल	आकार (टनल विस्तार लगभग चौड़ाई x लंबाई)
एच एस 6040	ई सी आर 520	60 सेमी x 40 सेमी
एच एस 9075	ई सी आर 526 ए/बी	90 सेमी x 75 सेमी

किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा समान वस्तु पर दिए गए तर्क की अनुपस्थिति में नियमावली के अंतर्गत याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तुओं को संबद्ध देश से निर्यातित वस्तुओं के समान वस्तु माना जा रहा है। माडल उपलब्ध (याचिकाकर्ता द्वारा उपभोक्ताओं के लिए गौण परिवर्तनों के साथ 6040 जैसे माडल होने का दावा किया जाता है) 9075 एक्सरे मशीन की प्राप्ति के लिए जांच शुरू करने के प्रयोजनार्थ याचिकाकर्ता ने मैसर्स हाइमेन सिस्टमज जी एम बी द्वारा ब्राजील डाक सेवाएं के अंतर्राष्ट्रीय टेंडर में ब्राजील सरकार डाक सेवाएं को उद्धृत कीमतों के आधार पर यूरोपीय संघ (जर्मनी) में सामान्य मूल्य का दावा किया था। पाटन के साक्ष्यों के रूप में याचिका में द जर्नल डे ब्रासीलिया में प्रकाशित ब्राजील में मैसर्स हाइमेन की कीमतें तथा उसका अंग्रेजी अनुवाद संलग्न किया गया था। जांच शुरू करने हेतु सामान्य मूल्य के प्रथम दृष्टया निर्धारण के लिए प्राधिकारी ने ब्राजील में मैसर्स हाइमेन की कीमतों को स्वीकार कर लिया था। ए ए आई के अनुरोध पर याचिकाकर्ता द्वारा द जर्नल डे ब्रासीलिया में प्रकाशित ब्राजील में मैसर्स हाइमेन की कीमतों तथा उसके अंग्रेजी अनुवाद को अगोपनीय माना था तथा उसे सार्वजनिक फाइल में रख दिया था।

इसके पश्चात दिनांक 13 जुलाई 2002 के पत्र द्वारा ही मैसर्स हाइमेन सिस्टमज द्वारा गोपनीय निवेदन किए गए थे जिसमें उन्होंने ब्राजील तथा एयरपोर्ट अथारिटी आफ इंडिया को आपूर्ति किए गए मॉडलों के अंतरों के ब्यौरे को प्रस्तुत किया था। मै. हाइमेन सिस्टमज से प्राधिकारी द्वारा उसके दिनांक 19 अगस्त 2002 द्वारा निवेदनों को अगोपनीय मानने का अनुरोध किया गया था ताकि हितबद्ध पक्षकारों के विचार जानने के लिए उन्हें सार्वजनिक फाइल में रखा जा सके।

तथापि प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में मामला जैसा कि निर्यातक के प्रत्युत्तर में बताया गया है, याचिकाकर्ता द्वारा विनिर्मित मॉडलों का यूरोपीय संघ से भारत को निर्यातित मॉडलों से तुलना का है। इसलिए समान वस्तु एक्स बी आई एस 6075 तथा 9075 के याचिकाकर्ता द्वारा विनिर्मित तुलनीय मॉडल हैं जो कि यूरोपीय संघ में घरेलू बाजार में बेचे गए तथा जिनका जांच अवधि के दौरान एयरपोर्टस अथरिटी ऑफ इंडिया द्वारा आयात किया गया था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक प्रश्नावली के अपने गोपनीय प्रत्युत्तर में मै. हाइमेन ने भारत को बेचे गए उत्पादों अर्थात् 6040 तथा 9075 के बारे में तकनीकी विनिर्देशों के ब्यौरे प्रस्तुत नहीं

किए। हालांकि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने ऐसा नहीं कहा कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित वस्तुएं भारत में निर्यातित मॉडलों के समान नहीं हैं।

याचिकाकर्ता ने बताया है कि निविदा आमंत्रित करने वाली सूचनाओं में प्रयोक्ता सामान्यतः टनेल आकार की रेंज निर्दिष्ट करते हैं ताकि आदेश के लिए बड़ी सं. में विनिर्माता एवं मॉडल प्रतिस्पर्द्धा कर सकें। विभिन्न उत्पादों के बीच यह भी एक प्रथा है कि यदि टनेल आकारों में न्यूनतम अंतर भी है तो भी विभिन्न मॉडलों को भिन्न मॉडल सं. या मॉडल नाम दिया जाए। इसलिए इस जांच के प्रयोजनार्थ एक्स बी आई एस मशीन की सभी मॉडलों को समान वस्तु माना जाना चाहिए।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारतीय विमानापत्तन तथा नागरिक विमानन ब्यूरो (बी सी ए एक्स) में सुरक्षा प्रयोगों के लिए मानक निर्धारित किए हुए हैं। यह मुख्यतः आई सी ए ओ मानकों से लिए गए हैं तथा इनका अनुसरण सदस्य देशों द्वारा किया जाता है। जांच अवधि के दौरान ए ए आई द्वारा आमंत्रित निविदाओं में दो मॉडल शामिल थे, वे हैं, 6040 तथा 9075 प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं की खरीद में निविदा प्रक्रिया शामिल है तथा इसीलिए निर्धारित तकनीकी विशिष्टिकरण संभावित आपूर्तिकर्ताओं द्वारा संकलित किए जाएंगे। संबद्ध वस्तुओं का तकनीकी विशिष्टिकरण तथा निविदाओं के मार्फत खरीद प्रक्रिया प्रयोक्ताओं के लिए उत्पाद प्रतिस्थापन्नता व्यक्त नहीं करती इस मामले में मुख्य प्रयोक्ता एयरपोर्ट्स अथारिटी ऑफ इंडिया है। ए ए आई ने अपने निवेदनों के कारण जांच परिधि में अंतर आया है तथा उन्होंने विशिष्टिकरणों को बढ़ाया है (जैसे इनुपुट मोटराइज्ड कनवेयर तथा आउटपुट शूट) टनेल आकार में वृद्धि की है टी आई पी सुविधा के लिए साफ्टेयर लोड किया है तथा इनपुट एवं आउटपुट रोलर सुविधा उपलब्ध कराई है जिससे उनकी लागत बढ़ गई है। इसलिए प्राधिकारी नोट करते हैं कि विभिन्न मॉडलों में मूल्य आधारित विशेषताओं तथा भेदन एवं विभेदन के अंतरों के कारण तकनीकी अंतर पाए जाए जाते हैं। कीमत में अंतर प्रत्येक प्रणाली टनेल रेंज की आवश्यकता पर आधारित अंतःनिर्मित मूल्य आधारित विशेषताओं के कारण होगा। मॉडल 6040 तथा 9075 की कीमतों का अंतर जो कि वर्तमान जांच का मुख्य विषय है, *** अ. डा. या **/रु० है। यह अंतर केवल टनेल आकार के लिए ही नहीं अपितु जूम सुविधा के अंतर के कारण भी है (हाइमेन सिस्टम के लिए 16 x) तथा (ई सी आई

एल के लिए 8 X तक) इसलिए वर्तमान जांच एक्स बी आई एल के दो मॉडलों अर्थात् 6040 आई तथा 9075 तक ही सीमित है, जिनका इन प्रारम्भिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ पैरा में बताए गए टनेल आकारों के अनुसूच जांच अवधि के दौरान आयात किया गया था ।

घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित एक्स बी आई एस को यूरोपीय संघ से निर्यातित एक्स बी आई एस के समान वस्तु स्थापित करने के लिए प्राधिकारी द्वारा तकनीकी विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया कार्य तथा प्रयोग एवं सीमाशुल्क वर्गीकरण जैसी विशेषताओं पर विचार किया गया । प्राधिकारी ने यह भी पाया कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित एक्स बी आई एस में आयातित एक्स बी आई एस के बहुत मिलती जुलती विशेषताएं हैं तथा तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से संबद्ध देश से आयाति एक्स बी आई एस का प्रतिस्थापन किया जा सकता है । नियम 2 (घ) के अर्थों के भीतर घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित एक्स बी आई एस को यूरोपीय संघ से निर्यातित उत्पाद के समान समान वस्तु माना गया है ।

छ. घरेलू उद्योग

8. यह संधिका मै. ई सी आई एल रेपिस्कॉन लि०, सिकंदराबाद जो कि इलेक्ट्रानिक्स कार्पो.ऑफ इंडिया लि. (ई सी आई एल) हैदराबाद, भारत सरकार का सार्वजनिक उपक्रम तथा आप्टों सेंसर आई एन सी (रेपिस्कॉन) यू एस ए, मै. आप्टों सेंसरस आई एन सी (ओ एस आई) कैलिफोर्निया यू एस ए तथा इलेक्ट्रानिक्स कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लि० (ई सी आई एल) के बीच संयुक्त उद्यम है, द्वारा दायर की गई संयुक्त उद्यम करार में प्रवेश करने के साथ साथ भारत के नियमों के अंतर्गत संयुक्त स्टॉक कार्पो. सीमित दायित्व को संगठित करने जैसे उत्पादन, जोड़ने परीक्षण, विपणन, विक्रय तथा एकल एवं बहु एनर्जी एक्स रे बैगेज इंस्पेक्शन सिस्टम विस्फोटक संसूचक, धातु संसूचकों तथा संबंधित सुरक्षा उत्पादों के मध्य चलना । ई सी आई एल रेपिस्कॉन लि० कंपनी का सामान्य व्यापार प्रयोजन संयुक्त उद्यम करार के अनुच्छेद 2 में दिया गया है:

(i) विनिर्माण के लिए प्रबंध करना, उत्पाद को जोड़ना तथा उसका परीक्षण (उपर्युक्त व्याख्या के अनुसार)

(ii) सारे क्षेत्र में उत्पाद का विपणन एवं विक्रय (iii) देश भर में बेचे गए उत्पादों की आवश्यकता पूर्ति करना तथा (iv) ऐसे क्रियाकलापों में व्यस्त रहना जो कि उपर्युक्त अनुसार प्रासंगिक एवं आवश्यक हो ।

यह याचिका ई सी आई एल रेपिस्कॉन लि० (ई सी आर) द्वारा दायर की गई है । संयुक्त उद्यम करार के अंतर्गत ई सी आर से अपेक्षा की जाती है कि वे ई सी आई एल को उत्पाद के विनिर्माण के लिए आवश्यक संघटक उपलब्ध करवाएं । ई सी आर से अपेक्षा की जाती है कि वे उत्पाद का परीक्षण, विपणन, विक्रय एवं उनकी आवश्यकता पूर्ति करें । इसलिए याचिकाकर्ता मशीन का उत्पाद ई सी आई एल से करवाता है तथा ई सी आई एल द्वारा एक्स बी आई एस का संपूर्ण उत्पादन ई सी आर के लिए एवं उसकी ओर से है । ई सी आई एल भारत में संबद्ध वस्तुओं का एकमात्र विनिर्माता है तथा उसने याचिका का समर्थन किया है ।

पाटनरोधी नियमावली का नियम 2 घरेलू उद्योग का निम्न रूप से परिभाषित करता है ।

घरेलू उद्योग का अर्थ है घरेलू उत्पादक जो पूर्ण रूप से समान वस्तु के उत्पादन या उससे संबंधित किसी भी कार्यकलाप में लगे हुए है तथा जिनका उपर्युक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उस वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का मुख्य अनुपात है केवल जब ऐसे उत्पादक कथित पाटित वस्तु के निर्यातकों अथवा आयातकों से जुड़े हुए है या उस वस्तु के स्वयं आयातक तब ऐसे मामले में ऐसे उत्पादक घरेलू उद्योग का भाग नहीं समझे जाते ।

जैसा कि ऊपर बताया गया है ई सी आर से अपेक्षा की जाती है कि वह ई सी आई एल के वह आवश्यक संघटक उपलब्ध करवाएं जो कि ई सी आई एल के लिए उत्पाद के विनिर्माण में सहायक हैं । ई सी आई एल द्वारा एक्स बी आई एस का संपूर्ण उत्पादन ई सी आर के लिए तथा उसकी ओर से है । प्राधिकार नोट करते हैं कि मै. ई सी आई एल रेपिस्कॉन मै. ई सी आई एल कथित पाटित वस्तुओं के आयातकों या निर्यातकों से संबंधित नहीं है और न ही वे आयातक ही है ।

इसलिए प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग का हिस्सा है तथा उनके पास नियमावली के अंतर्गत वर्तमान याचिका दायर करने का अस्वाभाव है।

ज. पाटन

9. धारा 9क(1) के अर्थों में प्राधिकारी ने संबद्ध क्षेत्र के ज्ञात निर्यातक को प्रश्नावली भेजी। मै. हाइमेन सिस्टमज ने प्रश्नावली का प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया।

झ. सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत की जांच

(i) सामान्य मूल्य

याचिकाकर्ता ने जर्मनी तथा यूरोपीय संघ में अन्य सभी बिक्रियों के लिए गृह बाजार में बिक्री के आकड़े उपलब्ध करवाए हैं यह विभेदीकरण आलाकचनात्मक है क्योंकि यह जर्मनी में बिक्रियां उन मशीनों के लिए हैं जिनकी विभिन्न विशेषताएं हैं तथा जो मूल्य आधारित वस्तुओं के लिए तथा यूरोपीय संघ में कहीं और बेची गई मशीनों की आवश्यकता पूर्ति की जाती है। निर्यातक ने अनुबंध 9 के अनुसार घरेलू बिक्रियों की फैक्टरी लागत तथा लाभांश के बारे में नहीं बताया है।

ग्रेड 6040 प्राधिकारी नोट करते हैं कि जर्मनी में बिक्री कीमत *** ई तथा यूरोप में बिक्री कीमत *** ई है। किसी भी प्रकार की छूट/कमीशन की अदायगी नहीं की गई है। प्राधिकारी ने भारत को की गई बिक्रियों तथा गृह बाजार में की गई बिक्रियों में उचित तुलना सुनिश्चित करने के लिए यूरोपीय संघ की बिक्री कीमतों पर विचार किया है।

विनिर्माण कीमत *** ई तथा बिक्री कीमत *** ई बताई गई है। कारखानागत द्वार लागत के पश्चात के प्रभार *** ई पैकिंग तथा *** ई भाड़े के कारण हैं। भाड़े में विदेशी भाड़ा तथ्य बीसा शामिल है। इनके कारण इसका कोई ब्यौरा उपलब्ध नहीं करवाया गया। उपर्युक्त समायोजनों पर विचार के पश्चात कुल लागत *** ई आती है।

विनिर्माण के पश्चात कीमतों में परिवर्तन है (i) दो वर्ष की सेवाई सुविधा जिसमें सभी भाग मजदूरी तथा हेल्प लाइन शामिल है जो कि *** ई पर संविदा का ***% है, (ii) *** ई पर ***% की दो वर्ष की गारंटी (iii) *** सप्ताह में सुपुर्दगी (स्टॉक से लागत तथा सामग्री होल्डिंग) ***% की दर से /*** ई पर (iv) 24 आपतकालीन रिपेयर संविदा जिसकी गणना संविदा के ***% पर की गई *** ई, विनिर्दिष्टताओं में परिवर्तन के कारण समायोजन *** ई कीमत परिवर्तन के कारण कुल समायोजन लागत *** ई है ।

इसलिए अनंतिम जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ कारखानागत सामान्य मूल्य स्तर *** ई है तथा इसका सत्यापन भी किया जाएगा ।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि जिन संविदाओं के आधार पर समायोजनों को बांटा किया गया है उनके ब्यौरे उपलब्ध नहीं करवाए गए । विशिष्टताओं में परिवर्तन के ब्यौरे/सूचना भी उपलब्ध नहीं करवाई गई । इसलिए अनंतिम जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ इन समायोजनों पर विचार किया गया तथा इनका सत्यापन भी किया जाएगा ।

ग्रेड 9075 प्राधिकारी नोट करते हैं कि जर्मनी में बिक्री कीमत *** ई है तथा यूरोप में बिक्री कीमत *** ई है । किसी भी प्रकार की छूट कमीशन की अदायगी नहीं की गई है प्राधिकारी ने भारत को की गई बिक्रियों तथा गृह बाजार में की गई बिक्रियों में उचित तुलना सुनिश्चित करने के लिए यूरोपीय संघ की बिक्री कीमतों पर विचार किया है ।

विनिर्माण कीमत *** ई तथा बिक्री कीमत *** ई बताई गई है । कारखानागत द्वार लागत के पश्चात के प्रभार *** ई पैकिंग तथा *** ई भाड़े के कारण हैं । भाड़े में विदेशी भाड़ा तथा बीमा शामिल है । इनके कारण इसका कोई ब्योरा उपलब्ध नहीं करवाया गया । उपर्युक्त समायोजनों पर विचार के पश्चात कुल लागत *** ई आती है ।

विनिर्माण के पश्चात् कीमतों में परिवर्तन है (i) दो वर्ष की सेवाई सुविधा जिसमें सभी भाग मजदूरी तथा हेल्प लाइन शामिल है जो कि *** ई पर संविदा का ***% है, (ii) *** ई पर ***% की दो वर्ष की गारंटी (iii) *** सप्ताह में सुपुर्दगी (स्टॉक से लागत तथा सामग्री होल्डिंग) ***% की दर से /*** ई पर (iv) 24 आपतकालीन रिपेयर संविदा जिसकी गणना संविदा के ***% पर की गई *** ई, विनिर्दिष्टताओं में परिवर्तन के कारण समायोजन *** ई कीमत परिवर्तन के कारण कुल समायोजन लागत *** ई है।

इसलिए अनंतिम जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ कारखानागत सामान्य मूल्य स्तर *** ई है तथा इसका सत्यापन भी किया जाएगा।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि जिन संविदाओं के आधार पर समायोजनों को दावा किया गया है उनके ब्यौरे उपलब्ध नहीं करवाए गए। विशिष्टताओं में परिवर्तन के ब्यौरे/सूचना भी उपलब्ध नहीं करवाई गई। इसलिए अनंतिम जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ इन समायोजनों पर विचार किया गया तथा इनका सत्यापन भी किया जाएगा।

(ii) निर्यात कीमत

(क) ग्रेड 6040 निर्यातक ने ग्रेड 6040 की 42 यूनिट ए ए आई को तथा 3 यूनिटों जी ई कैपिटल को बेचीं जैसा कि अनुबंध 8 में बताया गया है निर्यातों की कैक्टरी लागत *** अ.डा. या *** ई है। ए ए आई को संविदा मूल्य *** ई है। ***% बिक्री कमीशन के पश्चात् (***ई) बिक्री कीमत ***ई आती है। जी ई को बिक्री कीमत *** ई ***% बिक्री कमीशन (*** ई) के पश्चात् बिक्री कीमत *** ई आती है। ए ए आई तथा जी ई की औसत कीमत कमीशन से पहले *** ई तथा कमीशन के बाद *** ई है।

ग्रेड 6040 ए ए आई विनिर्माण कीमत *** ई है तथा बिक्री कीमत *** ई बताई गई है। कारखानागत लागत ***ई है।

ग्रेड 6040 जी ई विनिर्माण कीमत *** ई तथा बिक्री कीमत *** ई बताई गई है। कारखानागत लागत *** ई है।

चूंकि ए ए आई तथा जी ई के माडल की बिक्री के लिए विदेशी भाड़े में समायोजन तथा 2 वर्ष की वारंटी में भिन्नता थी, प्राधिकारी ने अनंतिम जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ 6040 के लिए भारित औसत कारखाना द्वार स्तर कीमत पर विचार किया जो कि *** ई है तथा जिसका सत्यापन किया जाएगा।

(ख) ग्रेड 9075- इस ग्रेड की 16 ईकाइयां ए ए आई को बेची गई हैं। इस ग्रेड के लिए कीमत सामयोजन अनुबंध 4 में दिए गए हैं। अनुबंध-8 के अनुसार निर्यात की फैक्ट्री लागत 9075 के लिए निर्यात कीमत *** ई बताई गई है। ***% की बिक्री कमीशन के पश्चात बिक्री कीमत *** ई निकाली है। समायोजनों में *** ई पर पैकिंग लागत, एफ ओ बी के पहले *** ई पर अंतर्देशीय भाड़ा तथा *** ई पर विदेशी भाड़ा शामिल है। उपर्युक्त के कारण कुल लागत *** ई आती है।

उचित तुलना के लिए समायोजनों में (i) ***% या *** ई पर 2 वर्ष की वारंटी (ii) विशिष्टिकरण परिवर्तन *** ई; (iii) अन्य *** ई

निर्यातक ने अन्य के अंतर्गत बताई गई लागतों का कोई ब्यौरा नहीं दिया। अन्य को छोड़कर उपर्युक्त लागतों पर विचार करने के पश्चात प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ ग्रेड 9075 के लिए कारखानागत निर्यात कीमत *** ई निकालती है जिसका सत्यापन किया जाएगा।

(iii) पाटन मार्जिन

10. पाटन मार्जिन निम्न प्रकार से है:-

ग्रेड	कारखानागत सामान्य मूल्य	कारखानागत निर्यात कीमत	डी एम (ई)	डी एम (यू एस डी)	डी एम %
6040	ई ***	ई ***	***	***	10.34%
9075	ई ***	ई ***	***	***	17.59%

(ज) क्षति

प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध क्षेत्र से पाटन मार्जिन तथा आयातों की मात्रा उपरोक्त नियम 11 में निर्धारित सीमाओं से अधिक हैं।

भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए उपरोक्त नियमावली के अनुबंध II(iv) के अनुसार प्राधिकारी ने ऐसे सूचकाकों पर विचार किया जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है जैसे कि उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टॉक लाभप्रदता/निवल बिक्री वसूली, पाटन मार्जिन तथा मात्रा इत्यादि।

क. आयातों की मात्रा

मात्रा (सं)

देश	1999-2000		2000-01		जांच अवधि	
	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
कुल आयात	38	***	26	***	61	***
यूरोपीय संघ	31	***	13	***	61	***
अन्य	7	***	13	***	061	0

आयातों की मात्रा के विश्लेषण हेतु वर्ष 1999-2000 तथा 2000-01 के वर्षों के लिए डी जी सी आई एस द्वारा प्रकाशित आयात आंकड़ों पर विचार किया गया। जांच अवधि के लिए बाजार आसूचना पर आधारित सूचना का प्रयोग किया है। बाजार आसूचना पर आधारित जांच अवधि के दौरान हुए आयातों की संपुष्टि मैसर्स हाइनेन के अगोपनीय निवेदन द्वारा की गई।

एक्स बी आई एस के पाटित आयातों में वृद्धि हुई थी वर्ष 2000-2001 में यह 13 ईकाईयां थी जबकि जांच अवधि में यह बढ़कर 61 ईकाईयां हो गया इसने 369% की वृद्धि रजिस्टर की। इसलिख पाटित आयातों ने संपूर्ण अर्थों में उल्लेखनीय वृद्धि रजिस्टर की। जांच अवधि के दौरान भारत में 12000% पाटित आयात हुए जबकि 2000-2001 में आयातों का 50% पाटित आयात था। यह दर्शाता है कि पाटित आयात ने अन्य स्रोतों से प्रतिस्पर्धा का सफाया कर दिया।

ख. उत्पादन तथा क्षमता उपयोग

निम्नलिखित सारणी के अनुसार याचिकाकर्ता की उत्पादन क्षमता, वास्तविक उत्पादन तथा क्षमता उपयोग में अत्यधिक कमी आई:-

याचिकाकर्ता	1999-2000	2000-01	जांच अवधि
संस्थापित क्षमता (ईकाईयों की सं.)	100	100	100
उत्पादन (ईकाईयों की सं.)	18	56	18
क्षमता उपयोग%	18%	56%	18%

(ग) बिक्री तथा बाजार हिस्सा

	1999-2000	2000-01	जांच अवधि
याचिकाकर्ता की बिक्री (ईकाईयों की सं.)	63	60	25
मांग	101	86	86
पाटित आयातों का %	30.69%	15.11%	70.93%

हिस्सा			
याचिकाकर्ता का हिस्सा %	62%	70%	29%

याचिकाकर्ता की घरेलू बिक्री मात्रा जो 2000-01 में 63 यूनिट थी वह जांच अवधि के दौरान बहुत कम होकर 25 इकाइयों तक हो गया।

(घ) कीमत कटौती तथा कीमत न्यूनीकरण (रु०/लाख)

	तुलनीय मॉडलों के लिए घरेलू उद्योग की बिक्री वसूलियां	आयातों की पहुंच कीमत यूरोपीय संघ		कीमत कटौती राशि %	
ई सी आर 520	***	6040	***	***	41.34%
ई सी आर 526 ए	***	9075	***	***	39.27%

उपर्युक्त सारणियां दर्शाती हैं कि पाटित आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में अत्यधिक कटौती की गई है एक मॉडल में 41.34% तक तथा दूसरे मॉडल में 39.27% तक की कटौती हुई है। इस प्रकार की अत्यधिक कीमत कटौती के कारण घरेलू उद्योग के पास दो विकल्प बचे थे अर्थात् या तो अपनी कीमतों को पाटित आयातों की निम्न कीमतों के बराबर लाए तथा अपने व्यापार को बनाए रखे या कीमतों को यथावत रखे। वृद्धि करे परन्तु इससे व्यापार की मात्रा में कमी आ जाएगी। चूंकि घरेलू उद्योग ने पूर्ववर्ती वर्ष में बहुत बड़ा नुकसान सहा है इसलिए यह और नुकसान सहने में समर्थ नहीं है। इसीलिए घरेलू उद्योग ने अपनी कीमतों को बढ़ते हुए स्तर पर रखा तथा इस प्रक्रिया में उसने व्यापार की कुल मात्रा का 57% खो दिया।

(ड.) लाभप्रदता:-

वर्ष 2000-01 के दौरान घरेलू उद्योग को *** लाख रुपए की कुल बिक्री पर *** लाख रुपए (***) का नुकसान हुआ था। जांच अवधि के दौरान इसने *** लाख रुपए की कुल बिक्री पर *** लाख रुपए (***) लाभ कमाया था। कीमतों की वृद्धि न लाभ न घाटा वाले स्तर तक की गई थी। इस प्रकार से लाभप्रदता 7% से 2.6% हो गई। 2.6% का बहुत कम लाभ कमाने के लिए कंपनी को व्यापार की मात्रा का 57% खोना पड़ा।

(लाख रुपए में)

ईसीआईएल/इसीआईएल रेपिस्कॉन	1999-2000		2000-01		जांच अवधि	
	ईसीआर 520(6040)	ईसीआर 526अ(9075)	ईसीआर 520(6040)	ईसीआर 526अ(9075)	ईसीआर 520(6040)	ईसीआर 526अ(9075)
सीओपी/सीओएस			***	***	***	***

बिक्री कीमत (ईसीआईएल रेपिस्कॉन)			***	***	***	***
पी/एल			***	***	***	***

(च) बिक्री में वास्तविक एवं संभावित कमी

जैसा कि पहले बताया चुका है कि वर्ष 2000-01 में बिक्री मात्रा जो कि 58 यूनिट थी जांच अवधि के दौरान घटकर केवल 25 यूनिटें रह गई। इस प्रकार से बिक्री मात्रा में अत्यधिक कमी आई।

(छ) लाभ

घरेलू उद्योग को वर्ष 2000-01 के दौरान *** लाख रूपए की कुल बिक्री पर *** लाख रूपए (***%) का नुकसान हुआ तथा इसने जांच अवधि के दौरान *** लाख रूपए (***%) की कुल बिक्री पर *** लाख रूपए (2.6%) लाभ कमाया।

इस प्रकार से उसकी लाभप्रदता -7% से + 2.6% में परिवर्तित हो गई। इस 2.6% का बहुत कम लाभ कमाने के लिए उद्योग को 87% व्यापार की मात्रा का नुकसान हुआ।

(ज) उत्पादन

वर्ष 2000-01 के दौरान घरेलू उद्योग का उत्पादन 56 यूनिट था। जांच अवधि के दौरान यह घटकर केवल 18 यूनिटें रह गया। जांच अवधि के दौरान यह कमी चौंका देने वाली 68% की थी।

(झ) निवेश पर प्रतिलाभ या क्षमता उपयोग

विद्यमान मानवशक्ति तथा अन्य स्रोतों के घरेलू उद्योग के नियंत्रण में होने के कारण यह इस वर्ष में 100 यूनिटों तक उत्पादन कर सका। जांच अवधि के दौरान उन्होंने केवल 18 यूनिटों का उत्पादन किया। क्षमता उपयोग बहुत ही न्यून 18% का था यदि वे क्षमता उपयोग बढ़ाते तो उनका निवेश पर प्रतिलाभ भी बढ़ जाता। अब तक कम क्षमता उपयोग के कारण निवेश पर प्रतिलाभ भी कम है।

(ञ) घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

विश्व में एक्स बी आई एस प्रणाली का बाजार अति प्रतिस्पर्धात्मक है। विश्व में केवल दो ही प्रतिस्पर्धी उत्पाद हैं - एक रेपिस्कॉन से तथा दूसरा मैसर्स हाइमेन भारत में विभिन्न उपभोक्ताओं द्वारा आमंत्रित निविदाओं के लिए है, हाइमेन बहुत ही कम कीमतें दे रहा है। घरेलू उद्योग से अज्ञेय की जा रही है कि वह या तो इससे भी कम कीमतें उद्धृत करे या बिक्री मात्रा गंवा दे। दुर्भाग्य से घरेलू उद्योग इस स्थिति में नहीं है कि वह अपनी कीमत स्तर को मैसर्स हाइमेन जितना कम कर सके। इसलिए यह

सार्वजनिक रूप से घरेलू बिक्रियां गंवा रहा है। इसके अतिरिक्त ऐसा अन्य कोई कारक नहीं है जो घरेलू कीमतों को उल्लेखनीय स्तर तक प्रभावित करे।

(ट) पाटन मार्जिन की मात्रा

याचिका में उल्लिखित पाटन मार्जिन एक मॉडल के लिए 393% तथा दूसरे मॉडल के लिए 535% दर्शाता है इसलिए पाटन मार्जिन की मात्रा अत्यधिक है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

(ठ) नकदी प्रवाह

घरेलू उद्योग का बिक्री राजस्व वर्ष 2000-01 में 15-17 करोड़ रुपए था। जांच अवधि के दौरान यह घटकर 6.45 करोड़ रुपए हो गया। बिक्री राजस्व में इस प्रकार की कमी के कारण घरेलू उद्योग का नकद प्रवाह अवश्य ही प्रभावित हुआ है।

(ड) भंडार सूची

याचिकाकर्ता	1999-2000	2000-01	जांच अवधि
अंत शेष स्टॉक	6	4	0

(ढ) रोजगार

घरेलू उद्योग द्वारा लगाई गई मानवशक्ति में किसी प्रकार की कमी नहीं की गई। तथापि, उन्हें बाध्य किया जा रहा है कि वे व्यर्थ बैठकर आदेशों का इंतजार करें।

(ण) मजदूरी

सार्वजनिक क्षेत्र तथा संयुक्त क्षेत्र का एकक होने के कारण मजदूरी का आधार व्यापार की मात्रा या लाभ नहीं हैं। इसलिए क्षति के निर्धारण में यह संगत नहीं है।

(त) विकास

आज के सुरक्षा सचेतन वातावरण में एक्स बी आई एस के बाजार का सर्वांगीण विकास होगा। विभिन्न नागरिक आपत्तियों तथा नागरिकों एवं अन्यो को धमकी के पश्चात सार्वजनिक और निजी प्राधिकारियों के जोखिम में अत्यधिक परिवर्तन आया है। इसलिए इसमें बहुत बड़े पैमाने पर विकास संभावना है। हालांकि एकमात्र उत्पादन यूनिट में स्थायित्व का कोई लक्ष्य नहीं दिख रहा है। पाटित आयातों के कारण घरेलू उत्पादकों की बिक्री मात्रा में गिरावट आई है। इसलिए यह आवश्यक है कि घरेलू उद्योग का अनुचित कीमत प्रतिस्पर्द्धा से रक्षा की जाए अन्यथा भारत को आवश्यक सुरक्षा संबंधी उपकरणों की आवश्यकता पूर्ति के लिए केवल आयातों पर ही निर्भर रहना होगा।

(थ) निवेश बढ़ाने की सक्षमता

यह पूंजी गहन उद्योग नहीं है। इसमें केवल पर्याप्त चस्पा पूंजी की ही आवश्यकता है। इसलिए यह मानदंड इस उद्योग के लिए संगत नहीं है।

(ट) क्षति के संबंध में निष्कर्ष

11. पूर्वोक्त को देखते हुए यह पाया गया कि:

(क) संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा में सापेक्षा रूप से वृद्धि हुई है।

(ख) याचिकाकर्ता कंपनियों के बाजार हिस्से में कमी आई है जबकि आयात बढ़ गए हैं।

(ग) याचिकाकर्ता ने महत्वपूर्ण बिक्री मात्राएं घटाई।

(घ) आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती की गई।

(ठ) कारणात्मक संबंध

12. प्राधिकारी का मानना है कि यूरोपीय संघ जो कि जांच अवधि के दौरान भारत को एक्स बी आई एस का एकमात्र आपूर्तिकर्ता था, से आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। पाटन आयात 13 यूनिट से बढ़कर 61 यूनिट हो गए तथा घरेलू उद्योग का उत्पादन 56 यूनिट से घटकर 18 यूनिट रह गया। इसलिए पाटन आयातों का मात्रा प्रभाव स्पष्ट रूप से निर्धारित हो गया। इस प्रकार से कीमत प्रभाव की जांच करते हुए प्राधिकारी ने नोट किया कि संबद्ध देशों से आयातों की कीमतों से घरेलू उत्पाद की कीमतों में कमी आई है तथा पाटन आयातों के कारण घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा अत्यधिक कम हो गई है। इसलिए घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से पाटन आयातों के कारण हुई।

भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

13. सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य ऐसे समाप्त करना है जिससे याचिकाकर्ता कंपनियों को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की पुनः स्थिति लाना है जो कि देश के सामान्य हित में हैं।

14. यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों का कीमत प्रभावित हो सकती है और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी विशेषकर तब जब पाटनरोध शुरू को लेवी उस राशि तक कह सीमित कर दी जाए जो कि याचिकाकर्ता कंपनी को हुए नुकसान को कम करने के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपायों के इस्तेमाल से पाटन द्वारा प्राप्त किए गए अनुचित लाभ समाप्त होंगे। याचिकाकर्ता कंपनी के ह्रास को रोका जाए इस प्रकार संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रहे। पाटनरोधी उपाय से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे, इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

15. घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति दूर करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की मात्रा को सुनिश्चित करने के निमित्त प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए क्षमता उपयोग के ईष्टतम स्तर पर उत्पादन की अधिकतम लागत पर विचार करके भारत में घरेलू उद्योग के लिए एक्स बी आई एस की उचित बिक्री कीमत पर विश्वास कर सकते हैं।

16. याचिकाकर्ता ने मॉडल 6040 के लिए यथा मूल्य दर निर्धारण का अनुरोध किया है जो कि इस टनल रेंज के अंतर्गत आने वाले सभी मॉडलों पर लागू होगा। इसी प्रकार से उन्होंने मॉडल 9075 के लिए भी यथा मूल्य दर निर्धारण का अनुरोध किया है जो कि इस टनल रेंज के अंतर्गत आने वाले सभी मॉडलों पर लागू होगा। उन्होंने पहली दो रेंजों के लिए भारित औसत दर का अनुरोध किया है। पैरा ड में दिए गए कारणों के लिए चूंकि वर्तमान जांच एक्स बी आई एस के दो मॉडलों अर्थात् 6040 तथा 9075 तक ही सीमित है जिनका आयात जांच अवधि के दौरान पैरा घ में बताए अनुसार तदनुसार टनल आकारों में हुआ था। इसलिए प्राधिकारी ने इन प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ यथामूल्य दर के लिए आवेदनों पर विचार नहीं किया है।

17. मै. ई सी आई एल रैपिस्कल लि० बनाम भारत संघ एवं अन्य द्वारा दायर सी डब्ल्यू पी सं. 6615/2002 तथा रैपिस्कन सिक्वोरिटी प्रोडक्ट्स (यूएसए) इंक बनाम भारत संघ एवं अन्य द्वारा दायर सी डब्ल्यू पी सं. 7240/2002 में माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्णय की प्रति मै. हीमान सिस्टम्स (एशिया पैसेफिक) पी टी ई लि० की ओर से प्राधिकारी को उपलब्ध कराई गई थी।

उक्त सी डब्ल्यू पी में मै. ई सी आई एल रैपिस्कन लि० ने 220 कलर एक्स बी आई एस एक्सरेबेगेज इन्स्पेक्शन सिस्टम की आपूर्ति हेतु उसकी बोली के निरस्तन तथा मै. हीमान सिस्टम्स (एशिया पैसेफिक) पी टी ई लि०, सिंगापुर के पक्ष में ठेका प्रदान करने को चुनौती दी थी। माननीय उच्च न्यायालय ने यह नोट किया है कि भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण ने 145 कलर एक्स बी आई एस की आपूर्ति हेतु 20 नवम्बर 2001 को प्रकाशित निविदा आमंत्रण नोटिस (एन आई टी) जारी किया था। लेकिन इसे 6 मार्च 2002 को निरस्त कर दिया गया था। तत्पश्चात् 220 कलर एक्स बी आई एस की आपूर्ति हेतु 7 जून 2002 को एक अन्य एन आई टी प्रकाशित की गई थी। माननीय न्यायालय ने यह नोट किया है कि 11 सितम्बर 2001 (डब्ल्यू टी सी, न्यूयार्क की टिवन टावर्स पर हमला) और 13 दिसम्बर 2001 को संसद पर हमले की घटनाओं के बाद नागर विमानन मंत्रालय ने ए ए आई के अध्यक्ष को एक पत्र भेजा और यह बताया कि विमानन क्षेत्र के लिए खतरे की संभावना काफी बढ़ जाने के कारण वैश्विक एन आई टी की वर्तमान प्रक्रिया को रद्द किए जाने और सदस्य (प्रचालन) के स्तर पर तकनीकी मानदंडों की समीक्षा किए जाने की जरूरत है। ए ए आई तथा सीओएससीए, बीसीए एस और उसके बाद एएआई नए सिरे से वैश्विक एन आई टी खोलने की कार्रवाई कर सकते हैं। नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बी सी ए एस) ने एक बैठक, जिसमें मै. ई सी आई एल रैपिस्कन भी उपस्थित थी, में विचार विमर्श कर एक्स बी आई एस हेतु संशोधित विनिर्देशनों को अंतिम रूप दिया था। चूंकि भारत सरकार ने उपर्युक्त बैठकों की सिफारिश के आधार पर विनिर्देशनों को संशोधित किया था इसलिए पूर्ववर्ती एन आई टी को रद्द कर दिया गया था तथा 7 जून 2002 को नया एन आई टी प्रकाशित किया गया था। माननीय न्यायालय ने यह नोट किया है कि संशोधित विनिर्देशनों के बारे में याचिकाकर्ताओं को जानकारी दी गई थी जिन्हें उस बैठक में ही अंतिम रूप प्रदान किया गया था जिसमें याचिकाकर्ताओं के प्रतिनिधियों ने चर्चा की थी।

माननीय न्यायालय ने यह नोट किया है कि निविदाएं दो भागों, अर्थात् तकनीकी बोली और वित्तीय बोली में प्रस्तुत की जानी थी। तकनीकी बोलियों को सबसे पहले खोलकर उनका मूल्यांकन किया जाना था। केवल उन बोलीदाताओं की वित्तीय बोलियों को खोला जाना अपेक्षित था जो तकनीकी मूल्यांकन में खरे उतरते थे।

निर्णय में यह उल्लेख किया गया है कि ई डी (तक) ने उन निविदादाताओं द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों/स्पष्टीकरणों की जांच करने के लिए क्रमशः महाप्रबंधक, अतिरिक्त महाप्रबंधक और सहायक महाप्रबंधक के रैंक के तीन अधिकारियों की एक समिति भी गठित की है जिनके स्पष्टीकरण 30 जुलाई से 1 अगस्त 2002 तक आरंभिक मूल्यांकन करने के बाद प्राप्त हुए थे। इस समिति ने सिस्टम की सभी तीन श्रेणियों अर्थात् हैंड बैगेज (श्रेणी क), रजिस्टर्ड बैगेज (श्रेणी ख) और कार्गो (श्रेणी ग) के लिए अपनी रिपोर्ट 20 अगस्त 2002 को प्रस्तुत की। याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तावित हैंड बैगेज मशीन के संबंध में इस समिति ने ये टिप्पणियां की थीं :-

हैंड बैगेज के लिए एकसरे मशीन (श्रेणी क) चार फर्मों ने इस श्रेणी की मशीन का प्रस्ताव किया

(i) मै. हीमान और मै. कंट्रोल स्क्रीनिंग द्वारा प्रस्तावित मशीनें समस्त एन आई टी अपेक्षाओं को पूरा करती हैं;

(ii) मै. ईसी आई एल द्वारा प्रस्तावित मशीनें निम्नलिखित को छोड़कर समस्त एन आई टी अपेक्षाओं को पूरा करती हैं;

(क) इस्पात का समावेशन 25 मि.मी. की मोटाई से अधिक की विनिर्दिष्ट अपेक्षा से कम है जैसा कि क्रम सं. 5 के सामने उल्लेख किया गया है।

(ख) आई एस ओ 9001 प्रमाणन की समस्त एन आई टी अपेक्षा को पूरा नहीं करती है (क्रम सं. 21)

(ग) जहां तक मशीन के खराब होने पर अलार्म बजने की अपेक्षा का संबंध है यद्यपि फर्म ने अनुपालन का दावा किया है तथापि निविदा दस्तावेज/पुस्तिका में इस बात को छोड़कर कि क्षेत्र विशेष को काले रंग में दर्शाया जाएगा, प्रचालन को सतर्क करने के लिए किसी दृश्य/श्रव्य अलार्म के बारे में कोई विशिष्ट उल्लेख नहीं किया गया है।

(iii) मै. रैपिस्कन द्वारा प्रस्तावित मशीन एन आई टी अपेक्षाओं को पूरा करती है तथापि इसी आई एल रैपिस्कन मशीन के संबंध में उपर्युक्त पैरा ii (ग) में अलार्म बजने के बारे में जो अभिमत व्यक्त किया गया है वह यहां भी लागू होता है।

माननीय न्यायलय ने निर्णय के पैरा 29 में यह नोट किया है कि हमारे निर्देश पर प्रतिवादी संख्या 2 (एए आई) ने हमारे अवलोकनार्थ रिकार्ड प्रस्तुत किए थे। इन रिकार्डों से यह पता चलता है कि समिति की रिपोर्ट के अनुसार निम्नलिखित मुख्य बिंदुओं का अवलोकन किया गया था:

(क) हालांकि मै. हीमान सिस्टम्स 38 एस डब्ल्यू जी की एन आई टी अपेक्षाओं की तुलना में 40 एस डब्ल्यू जी तक के सिंगल वायर रिजोल्यूशन को पास कर सकती है तथापि अन्य तीनों मशीनें उक्त विनिर्देशनों को पूरा करने में विफल रही हैं।

(ख) समावेशन हेतु एन आई टी विनिर्देशन 25 मि.मी. से अधिक है। मै. हीमान सिस्टम्स 28 मि.मी. तक के समावेशन के इस परीक्षण पर खरी उतर सकती है जबकि तीन अन्य मशीनों द्वारा 25 मि.मी. इस्पात के समावेशन को प्रदर्शित नहीं किया जा सका।

(ग) विस्फोटकों का पता लगाने के लिए मै. कंट्रोल स्क्रीनिंग के पास एडी एक्स सुविधा नहीं है।

(घ) मै. ई सी आई एल रैपिस्कन, मै. रैपिस्कन और मै. कंट्रोल स्क्रीनिंग के उपकरणों में आन लाइन थ्रेड इमेज प्रोजेक्शन (टी आई पी) की सुविधा उपलब्ध नहीं है जबकि मै. हीमान सिस्टम्स की मशीन में यह सुविधा उपलब्ध है।

(ड.) मै. कंट्रोल स्क्रीनिंग के मामले में विभिन्न वस्तुओं के लिए रंगभेद स्पष्ट रूप से दृष्टि गोचर नहीं होता है।

(च) मै. कंट्रोल स्क्रीनिंग के उपकरण में फीडबैक/रिपोर्ट उपलब्ध नहीं है।

माननीय उच्च न्यायालय ने यह उल्लेख किया है कि याचिकाकर्ताओं द्वारा किए गए प्रदर्शन के अनुसार उनके सिस्टम में 25 मि.मी. इस्पात का समावेश हो सकता है, जिसका स्पष्ट तात्पर्य यह है कि वह 25 मि.मी. की मोटाई के इस्पात से अधिक नहीं होगा। अतः जब ए ए आई ने यह पाया कि मै. हीमान सिस्टम्स (एशिया पैसेफिक) पी टी ई लि० द्वारा प्रस्तावित सिस्टम याचिकाकर्ताओं के सिस्टम से बेहतर हैं तो उसने ऐसे सिस्टम की आपूर्ति हेतु आर्डर प्रस्तुत किए जिसे दोषपूर्ण कार्यवाही नहीं माना जा सकता। माननीय न्यायालय ने नोट किया है कि रिट याचिकाओं में कदाचार का कोई विशिष्ट आरोप नहीं लगाया गया है। यह आरोप नहीं लगाया गया है कि किसी व्यक्ति का मै. हीमान सिस्टम्स का पक्ष लेने में कोई हित है अथवा उसका याचिकाकर्ताओं के प्रति कोई द्वेष-भाव है। ठेका मै. हीमान को प्रदान किया गया था जो एकमात्र ऐसी पार्टी बची हुई थी जिसे काफी उच्च दरों पर ठेका प्रदान किया गया था। माननीय न्यायालय ने निष्कर्ष निकाला कि रिट याचिकाएं गुणदोष रहित हैं और उन्हें रद्द कर दिया।

प्राधिकारी ने इन प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्णय में निहित उपर्युक्त तथ्यों को नोट किया है।

(ढ) पहुंच मूल्य

18. आयातों के पहुंच मूल्य का निर्धारण एक्स बी आई एस की निर्धारित निर्यात कीमत, जिसका ब्योरा पाटन से संबंधित पैरा में दिया गया है, के आधार पर प्रचलित सीमाशुल्क तथा 1% पहुंच प्रभारों को जोड़ने के पश्चात किया जाता है।

(ण) निष्कर्ष

19. पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात यह देखा गया है कि:

(क) यूरोपीय संघ के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पैरा 6 में उल्लिखित एक्स बी आई एस का सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर भारत को निर्यात किया गया है, जिसके कारण पाटन हुआ है।

(ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

(ग) वास्तविक क्षति संबंधित देश से आयातों के कारण हुई है।

20. पाटन मार्जिन के बराबर अथवा उससे कम पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करने का निर्णय लिया गया था, जिसे यदि लगाया जाएगा तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी। तदनुसार यह प्रस्ताव किया जाता है कि अंतिम निर्धारण होने तक, यूरोपीय संघ के मूल या वहां

से निर्यातित आई टी सी वर्गीकरण 90.22.1901 तथा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के सीमाशुल्क उपशीर्ष सं. 90.22.19 के अंतर्गत आने वाले नीचे दी गई तालिका में उल्लिखित माडलों/टनल की श्रेणियों के एक्स बी आई एस पर केंद्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए। संस्तुत पाटनरोधी शुल्क में निम्नलिखित तकनीकी मानदंडों वाला एक्स बी आई एस शामिल नहीं होगा:

- (क) 25 मि.मी. की मोटाई से अधिक का इस्पात समावेशन रखने वाली एक्स बी आई एस मशीनें;
 (ख) किसी विशेष मद के समावेशन हेतु मशीनों की विफलता के मामले में दृश्य एवं श्रव्य अलार्म वाली एक्स बी आई एस मशीनें;
 (ग) रिबूटिंग की अपेक्षा से रहित थ्रेड इमेज प्रोजेक्शन (टी आई पी) सुविधा वाली एक्स बी आई एस मशीनें;
 (घ) 38 एस डब्ल्यू जी तथा उससे अधिक के सिंगल वायर रिजोल्यूशन संबंधी परीक्षण पर खरी उतरने की क्षमता वाली एक्स बी आई एस मशीनें।

पाटनरोधी शुल्क कालम 3 में उल्लिखित राशि होगी।

देश/क्षेत्र	उत्पादक/निर्यातक का नाम	एक्सबीआई एस माडल	टनल आकार (ल. x चौ.)		अ.डा./एक्स बी आई एस की यूनिट
1	2	3	4		5
ई यू	मै. हीमान सिस्टम्स जी एम बी एच	60401 तथा अन्य माडल जो कि कालम 4 के अनुसार टनल आकार के अंदर हो	600x 700 मि.मी.	400 से 550 मि.मी.	1990
		9075 तथा अन्य माडल कालम 4 में दिए गए टनल आकार के अंतर्गत आता हो।	700 x 1000 मि.मी.	70850 मि.मी.	3962

21. इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के अधीन सीमाशुल्क द्वारा यथा निर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर, सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे।

त. आगे की प्रक्रिया

22. प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:

(क) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पार्टियों से इन निष्कर्षों के बारे में टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे और उन पर अंतिम निष्कर्षों में विचार किया जाएगा:

(ख) प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ताओं तथा अन्य ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को अलग से लिखा जा रहा है, वे इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से 40 दिनों के अन्दर विचार प्रस्तुत कर सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इन जांच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती है।

(ग) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पार्टियों को मौखिक अनुरोध करने का अवसर प्रदान करेंगे।

(घ) अंतिम जांच परिणामों की घोषणा करने से पहले प्राधिकारी आवश्यक तथ्यों को प्रकट करेंगे।

एल. बी. सप्तर्षि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2003

Subject : Anti-dumping investigations concerning imports of 'X-ray Baggage Inspection Multi Energy System' (XBIS) from the European Union—Preliminary Findings.

No. 14/12/2002-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act 1975 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury), Rules 1995, thereof:

A. PROCEDURE:

1. The procedure given below has been followed with regard to the investigations:
 - i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written petition from, alleging dumping of 'X-ray Baggage Inspection Multi Energy System' (XBIS) from the European Union.
 - ii) The preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the petitioner. The petition was thereafter considered as properly documented.
 - iii) The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner decided to initiate investigations against alleged dumping of imports of 'X-ray Baggage Inspection Multi Energy System' (XBIS) from the European Union.
 - iv) The Authority notified the Delegation of the European Commission about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate investigations in accordance with sub-rule 5(5) of the Rules.

- v) The Authority issued a Public Notice dated 15th April 2002 published in the Gazette of India Extraordinary initiating anti-dumping investigations concerning imports of XBIS classified under customs sub-heading no. 90.22.19 of the Customs Tariff Act, 1975 and the ITC classification is 90.22.1901, originating in or exported from the European Union.
- vi) The Authority forwarded a copy of the Public Notice to the known exporter (whose details were made available by the petitioner) and industry associations and gave them an opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter.
- vii) The Authority forwarded a copy of the Public Notice to the known importers (whose details were made available by the petitioner) of XBIS and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of the letter.
- viii) Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of XBIS.
- ix) The Authority provided copies of the non-confidential Petition to the known exporters in accordance with Rule 6(3) supra.
- x) The Authority sent a questionnaire, to elicit relevant information to the following known exporter in the EU in accordance with Rule 6(4);

European Union

- M/s Heimann Systems GmbH,
Im Herzen 4
D-65205
Wiesbaden

The Delegation of the European Commission and the Embassy of the Federal Republic of Germany were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their territory to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters was also sent to them, alongwith the name and addresses of the exporters.

- xi) A questionnaire was sent to the following known importers/users of XBIS calling for necessary information in accordance with Rule 6(4);

- Airport Authority of India,
(National Airport Division)
Rajiv Gandhi Bhawan,
Safdarjung Airport,
New Delhi
- GE Capital,
90A, Sector-18,
Udyog Vihar,
Gurgaon
- Indian Airlines,
Reservation Office Building,
2nd Floor, Safdarjung Airport,
New-Delhi
- Directorate of Preventive Operations,
Customs & Central Excise,
Lok Nayak Bhavan,
New Delhi
- Jet Airways (India) Pvt. Ltd.,
3rd Floor, SM Centre,
Andheri-Kurla Road,
Mumbai
- **VSNL,**
Lokmanya Videsh Sanchar Bhavan,
Opp. Kirti College, Prahadevi
Mumbai
- Department of Post,
Dak Bhawan,
Parliament Street,
New Delhi

A response to the questionnaire was filed by the Airports Authority of India.

- xii) The Authority made available the non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.

- xiii) Cost investigations were conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) on the information furnished by the petitioner M/s ECIL -Rapiscan and their supporting manufacturer M/s ECIL so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- xiv) *** In this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xiv) A public hearing was conducted by the Designated Authority on 1/7/2002 which was attended by all interested parties;
- xv) The Authority conducted verification visits in the premises of M/s ECIL and the various terminals of the Airports Authority of India;
- xvi) Investigations were carried out for the period is 1st April, 2001 to 31st December, 2001 (9months).

PETITIONERS VIEWS

2. The petitioner has raised the following major issues in their petition and in their subsequent submissions:

- (a) M/s ECIL -Rapiscan Limited is a joint venture between Electronic Corporation of India Ltd. (ECIL) a Government of India Public Sector Undertaking at Hyderabad and Opto Sensor Inc. (Rapiscan) USA. Rapiscan supplies the requisite technology and the final product is manufactured by ECIL. The joint venture was formed on 3/1/1995 under the Companies Act, 1956.
- (b) ECIL is the only manufacturer of the subject goods in India. ECIL does not import any of the subject goods and is not related to the exporter or importer of the alleged dumped article.
- (c) The product under consideration in the present investigation is 'X-ray Baggage Inspection Multi Energy System' (XBIS) which is manufactured by the domestic industry in four models. The petition is against alleged dumping of two models viz., (1) 60cms x 40cms and (2) 90cms x 75cms. It is used for detection of explosives, firearms, narcotics and contra band at port of importation, security agencies and airports. XBIS provides quick and easy scanning of the baggage against the above named items which would

otherwise be time consuming and inconvenient. There is no substitute available to XBIS.

In the application the size (Tunnel Dimension, width x height) has been given as follows:

- 1) 60 cms x 40 cms
- 2) 90 cms x 75 cms
- 3) 120 cms x 80 cms
- 4) 150 cms x 165 cms

An XBIS systems consists of the following major components/parts:-

- (a) X-ray generator
- (b) Diode Array PCBs with diode detectors
- (c) Computer with requisites software and add on cards
- (d) Tunnel with conveyor mechanism through which baggage passes through
- (e) Image processing software with display and control key board.

Further, there is a main control PCB to control the belt movement. The multi energy system (MES) used in the XBIS machines distinguishes between materials according to their atomic weight and displays them in different colour. The technology, the software and the components remain the same irrespective of the tunnel size of the XBIS machines. The tunnel size depends upon the size of the baggage to be X-rayed.

All the models of XBIS have similar components or parts and are technically the same. They function on the same principle. There is no difference in production methodology. Different models have different tunnel sizes. The tunnel sizes of various models manufactured by ECIL during the POI are given below:

ECR 530	1200 mm (w) x 800 mm (h)
ECR 520	640 mm (w) x 430 mm (h)
ECR 526 BS	900 mm (w) x 800 mm (h)
ECR 519	500 mm (w) x 300 mm (h)
ECR 532 H	1500 mm (w) x 1650 mm (h)

Further, minor variations in tunnel sizes between one producer and another are observed for equivalent models. Therefore, the users normally indicate a range of tunnel sizes in notices inviting tenders so that a number of manufacturers and models could participate and compete for the order. For

instance, in the recently floated tender, Airports Authority of India indicated the tunnel size as follows:

Type	Width	Height
Category I	600-700 mm	400 -500 mm
Category II	1000-1100 mm	1000-1100 mm
Category III	1400- 1600 mm	1500-1800 mm

It is also a practice among various producers to give different model numbers or model names even if the tunnel sizes vary marginally. Therefore, all models of XBIS machines should be treated as like articles for the purposes of this investigations.

During the period of investigations only two models of the XBIS machine were imported into the country. However, the petition is in no way restricted to these models alone. If the investigation is restricted only to those two models, there will be no protection to the domestic industry. Therefore, it is necessary to cover all models of XBIS under this investigation. For this purpose, it is submitted that the different models of XBIS shall be categorised into the following broad categories based on tunnel sizes.

Width	Height
(a) 600 to 700 mm	400 to 550 mm
(b) 700 to 1000 mm	550 to 850 mm
(c) 1000 to 1200 mm	800 to 1200 mm
(d) 1200 mm and above	1200 mm and above

In the petition, the petitioner had indicated four different tunnel sizes. Instead of fixed tunnel sizes, the Authority may kindly impose anti dumping duty on the above mentioned four ranges of tunnel sizes so that the models with slightly different tunnel sizes do not go out of the ambit of anti dumping duty.

- (d) The comparable models of ECIL – Rapiscan and Heimann which are alleged to be dumped are as follows:

Heimann Model	Comparable ECIL – Rapiscan Model	Size (tunnel dimension) width x height approx.
HS6040 i	ECR520	60cm x 40cm

HS9075 i

ECR526A/B

90cm x 75cm

- (e) The major user is the Airport Authority of India. (National Airport Division), Rajiv Gandhi Bhavan, Safdarjang Airport, New Delhi – 110003. There is no association of the users of the subject goods as given in the petition.
- (f) For Indian Airport, Bureau of Civil Aviation (BCAS) lays on the standards for security application. They are derived mainly from ICAO standards followed by member countries.
- (g) The product is alleged to have been dumped by M/s Heimann System GmbH, Wiesbaden, Germany. M/s Heimann Canada, (marketing office), obtained the order which is under dumping allegation. The supply is being done by M/s Heimann Germany.
- (h) The global tender by the Airport Authority of India for supply of 39 numbers colour X-Ray Baggage Inspection Systems at various Airports in India is dated 9/3/2000 and the revised price bid is dated 9/4/2001. The same has been accepted by the Airports Authority vide Order No. 3/3/2000 – AR- II (EQ) dated 20/4/2001 and 23/4/2001.
- (i) Other countries which bid for global tenders floated in India are USA and Malaysia. Among the other countries only M/s Opto Sensor (M) Sdn. Bhd., Malaysia (a sister company of ECIL-Rapiscan Ltd.,) supplied the machines against the order placed by ECIL-Rapiscan Ltd., who had obtained the order against global tender floated by AAI, International Division dt 10/8/98 for 35nos of XBIS supplied in 1999-2000.

B. VIEWS OF IMPORTERS, EXPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES

3. (A) Importers views

(I) Airports Authority of India

- (a) The Airports Authority of India has submitted a response to the importers questionnaire as an importer/consumer of the subject goods. The AAI was requested by the Authority vide letter dated 2nd July 2002 to furnish a non-confidential summary of their response to the importers questionnaire. The Aai intimated vide letter dated 11th July 2002 that their reply to the importers questionnaire was confidential.
- (b) The AAI have clarified certain preliminary facts. The Airports Authority of India (AAI) is a body corporate constituted under the Airports Authority of

India Act, 1994. The AAI is responsible to provide security equipment at international/domestic airports for frisking passengers hand and registered baggage. The specifications for such type of equipment are drawn for latest technology available world wide and finalised in consultation with the Commissioner, Bureau of Civil Aviation Security (BCAS). Thereafter, global tenders are invited by the AAI and the procurement of equipment is made as per the tender norms and application procedures.

- (c) M/s ECIL Rapiscan Ltd., Secunderabad had itself priorly supplied imported XBIS to the AAI during 1999 and 2000 as manufactured by M/s Opto Sensors, Malaysia against global tendering and imported into India. With reference to the prior requirements of the AAI during the period 1999 and 2000, ECIL Rapiscan did not supply the equipment as manufactured by it in India. In the relevant global tenders as invited by the AAI also, M/s ECIL Rapiscan Ltd. offered both indigenous as well as imported equipment, which tender as submitted by it and on being evaluated was, however, found not acceptable.
- (d) AAI submits herewith the comparative statement of the respective bills submitted by the short-listed tenderers including M/s ECIL Rapiscan Ltd. which will show that it was not the lowest as compared to the other bidders. The relevant tender document is also submitted herewith.
- (e) M/s ECIL Rapiscan Ltd. has stated that XBIS as quoted by M/s Heimann System Inc., Canada, to Brazil Govt. Postal Service is a different model being model 6040d against the Model 6040I supplied to AAI in India and there is difference of modified model too. So the rates for the different Models may not be comparable and may not stand the test of comparison or the comparative prices.
- (f) M/s Heimann System Inc., is a reputed manufacturer whose product is being used at International/Domestic airports worldwide and the rates quoted by them vary from country to country depending on the specifications, quantity, after sales service required infrastructure available for product support in the country and other terms and conditions stipulated by purchaser in the NIT.
- (g) Injury and Causal Link: It is submitted that there is no good or sufficient evidence that the imports of the product under consideration have cause material injury to the domestic industry. Here, it may also be submitted that AAI has not been provided a copy of the petition filed by M/s ECIL Rapiscan Ltd. so as to enable AAI to submit its response or commence to it as may be relevant or required.
- (h) Purchases are made by inviting global tenders are publishing Notice Inviting Tender (NIT) /Global Tenders in various leading News papers. Tenders are called by two bid systems: (i) Technical Bid (ii) Commercial

Bid. Duly constituted committee consisting of officers from various disciplines open technical bids in presence of representatives of firms/companies. The technical bids are evaluated by a technical committee duly constituted by Competent Authority. The evaluation of bids is done as per specification stipulated, in the NIT and recommendations are made to Competent Authority (CA). On acceptance of report by CA, the firms/companies who qualify technical requirement are called during commercial bid opening by a committee of officers constituted from different disciplines. Comparative statement of commercial bids are prepared by concerned department and put up with recommendations on lowest offer basis of financial concurrence and approval of the Competent Authority for award of work. Thereafter supply order/award of work is concluded on successful bidder. In case of security-related equipment used at hypersensitive/sensitive airports, clearance from Ministry of Civil Aviation is obtained for procurement of product of certain countries keeping in view the security concerns.

- (i) Comparison of prices of Heimann Systems, Germany, ECIL Rapisan and Perkin Elmer in the tender floated by AAI during the period of investigations as submitted by AAI is given below:-

Sl. No		2001-2002 (April 2001 to Dec 2001 POI)	
		6040 I (Qty. 28)	9075 (Qty 11)
1.	Heimann System Inc., Canada	Cif USD *** LV + transit insurance, installation, testing, commissioning, charges Rs *** Annual maintenance charge - (average per year for *** years) - Rs. ***/- - Total unit cost + AMC - Rs. ***/-	Cif USD *** LV + transit insurance, installation, testing, commissioning, charges Rs *** Annual maintenance charge - (average per year for *** years) - Rs. ***/- - Total unit cost + AMC Rs. ***/-
2.	Perkin Elmer Instruments, Singapore	Cif USD *** LV + transit insurance, installation,	Cif USD *** LV + transit insurance, installation,

		testing, commissioning, charges Rs *** Annual maintenance charge - (average per year for *** years) - Rs. ***/- - Total unit cost + AMC Rs. ***/-	testing, commissioning, charges Rs *** Annual maintenance charge - (average per year for *** years) - Rs. ***/- - Total unit cost + AMC Rs. ***/-
3.	ECIL-Rapiscan	Rs *** USD *** Annual maintenance charge - (average per year for *** years) - Rs. ***/- - Total unit cost + AMC Rs. ***/-	Rs *** USD *** Annual maintenance charge - (average per year for *** years) - Rs. ***/- - Total unit cost + AMC Rs. ***/-

The prices offered by M/s Heimann Systems are approx ****% less than that offered by the petitioner for 6040 and ****% less for 9075 than that of the petitioner.

(II) Directorate of Preventive Operations, Khan Market, New Delhi

1. This Directorate has furnished information on XBIS purchased from M/s ECIL/M/s ECIL-Rapiscan from 1989 onwards which have been deployed in various field formations.
2. Since 1999, the operational XBIS have been brought under the Comprehensive Centralised Annual Maintenance Contracts with M/s ECIL Rapiscan as per the direction of the Ministry. The maintenance services provided by M/s ECIL Rapiscan have been by and large satisfactory except certain problems in some cases which are being amicably settled.

(III) GE Capital

1. We have imported 3 X-Ray systems, since post September 11 there was a requirement by our security team keeping in mind the safety and security for our Mailroom and other related activities to detect:
 - Explosives (esp. plastic which do not show up in metal detector checks)
 - Weapons being smuggled in or

- Toxic biological or chemical materials
- 2. We had procured them from M/s Heimann since they offered us the most competitive rates.
- 3. We have no other interest in the matter since it was a onetime activity for us.

(B) Exporters Views

1. M/s Heimann Systems GmbH has furnished a response to the exporters questionnaire and furnished a non-confidential summary thereof.
 2. All orders result from consultations with customers, either directly by Heimann's sales force, through enquiries from customers, or pursuant to international tenders. Heimann's sales process then follows the procedures laid down in the Quality Management Handbook according to ISO 9001 certification.
 3. The procedures take into account different specifications, environmental conditions, standard versus special equipment, export regulations, financial terms and conditions and delivery terms and conditions.
 4. The investigation into highly sophisticated products such as XBIS creates substantial problems
4. Submissions and rejoinders made by interested parties pursuant to the Oral Hearing held on 1st July 2002.

(A) M/s Heimann Systems GmbH, Germany

1. ECIL Rapiscan Ltd. is related to and under control of OSI Systems Inc. as 51% of the shares are held by OSI Systems Inc. ECIL Rapiscan Ltd. (ECR) is not a domestic manufacturer/producer in India and hence do not have any right to file the petition. ECIL sources major components and technology from OSI Systems Inc./Rapiscan.
2. The manufacturing activity in India is carried out by ECIL and not by ECR.
3. Historically, ECIL Rapiscan Ltd has maintained a virtual monopoly on the sale of XBIS on the Indian market. As a result, price levels of XBIS machines in India were above the levels prevailing elsewhere in the world. At present, the market in India for XBIS is composed of two segments: (1) the closed market reserved solely for the petitioner, including sales to the police and military; (2) the non reserved market in which other suppliers have very recently been given limited access through international tenders.
4. ECIL Rapiscan Ltd is not eligible for anti dumping protection because it lacks standing under Indian law. ECIL is the only manufacturer of XBIS in India.
5. ECIL Rapiscan Ltd is related to exporters of the like product. Rapiscan exports technology and XBIS kits to India for final assembly by ECIL and may also export completely, assembled XBIS machines.

6. ECIL Rapiscan Ltd is related to importers of the like product.
7. This investigation was initiated based on a prima facie finding of dumping based exclusively on an alleged price quoted by Heimann in the course of a tender in Brazil in late 2001. The machine actually sold pursuant to the tender was a 6030di an entirely different model from the 6040d alleged in the petition. This model not only has a different tunnel size than the model under investigation, but also contains a number of enhanced technical features specifically requested by the Brazilian customer. If the machine sold pursuant to the Brazilian tender had been a model 6040d, the comparability to the model under investigation, 6040I would necessitate numerous adjustments.
8. **Injury** - The media reported in October 2001, following the loss of the AAI tender, that the petitioner projected a sales target of USD 9.2 million for the 2001-02 financial year, compared to USD 5.3 million in the previous year. The petitioner appears entirely inconsistent with the petitioners public statements regarding its sales projections and profitability. Capacity and employment do not indicate any material injury. The petitioner has provided no information on price under cutting. Any allegation, if true could not be sustained because such undercutting would be entirely attributable to the existence of monopoly prices in India. The prices at which Heimann sold XBIS in India were entirely consistent with the prices in competitive markets around the world. A single lost sale is insufficient to support a claim of material injury.

Rejoinder of Heimann Systems Gmbh

1. Customers preferred Heimann's machines to the petitioners because of superior quality and consequent lower security risks. The petitioner has described the tender process as follows: ' These tenders are evaluated under a two-tier system. The first evaluation is a technical evaluation and the second is financial/commercial evaluation. In all the technical evaluations, the product offered by the domestic industry has been considered at par with the product offered by other exporters'.

In fact, the petitioner statement either supports the termination of the investigation or emphasis the inaccurate and /or misleading nature of the petitioner submission. The magnitude with which Heimann's performance exceeded ECIL Rapiscan, is evidenced in the reports summary of the evaluation

Type of X-ray BIS	Expl	Knife	Wpn	IED
ECIL Rapiscan Ltd	26.60%	40.00%	66.70%	59.20%
Heimann System	90.50%	86.70%	93.30%	95.60%
Perkin Elmer	Nil	53.30%	80.00%	81.50%

2. The petitioner lacks standing to seek a remedy.

3. The petitioner has failed to provide any documentary evidence to support its assertion regarding the domestic contents of its machines.

(B) Airports Authority of India: Written submissions:

1. The basis of petition is the supply of the systems by Heimann Systems GmbH, Wiesbaden, Germany to AAI pursuant to an order dt 23 April 2001 (AAI's response Annx 'B' at p. ***-***) on Heimann System Inc., Quebec, Canada for 28 Nos. Model 6040i at Unit Rate of US \$*** and 11 Nos. Model 9075 Hi Trax at Unit Rate of US \$*** (exclusive of Customs duties and other taxes) and a repeat order dt 3 Oct 2001 (Annx 'D' at p. ***) on Heimann Systems (Asia Pacific) Pte Ltd., Singapore for 14 Nos. Model 6040I and 5 Nos. Model 9075 Hi Tax. (Invoices and Bills of Lading and related documents are furnished at p. ***-*** and p. ***-***).
2. It may be stated that AAI has thereafter issued a Global Tender notice on 27 May 2002 inviting item rate tenders for the supply of XBIS machines at various Airports in India and which is due to being submitted upto and to be opened on 19 July 2002.
3. In the Initiation Notification it is stated that the petitioner has claimed normal value in EU (Germany) on the basis of M/s Heimann prices as quoted to Brazil Government Postal Service in the international tender of the Brazil Postal Services for requisition of X-Ray equipment dated 10/2001 for model 6040d which is the same model as 6040I with minor modification for the customer and and 9075. Heimann quotation is for model 6040d which is not the model supplied to AAI. Specifications and main features and characteristics of the particular model 6040d as quoted or supplied to Brazil Government Postal Services are not furnished or made available to AAI nor Heimann's pricing and related conditions of sale so as to know or ascertain if it is a 'like article' and Heimann price as quoted for model 6040d is or could be 'normal value' in relation to the model as supplied to AAI.
4. Heimann has stated that the machine actually sold pursuant to tender to Brazil Postal Services was entirely different and the fact that the tender involved the sale of model 6030di to Brazil means that comparability to the 6040I under investigation in India is virtually impossible without a significant number of complex adjustments.
5. The purpose of an invitation to tender is to obtain from the contractor a firm offered capable of acceptance and hence of conversion into a binding contract. A tender is an offered, it is something that which invites an is communicated to notified acceptance. There is no obligation on the employer to accept the lowest or any tender.
6. Global tender call invites international competitive bids and does lead to competition and result in price reductions or reduced profit -margins and it also

enables the buyer to get the best person and best quotation. There is no question of unfair competition or unethical trade practice. The goods exported to India are buyer-specific and related to specific orders placed pursuant to the tender. It is not intended to dump the goods in or place goods on the market of the country of import in surplus or large quantities as unrelated to the actual demand and requirement for it.

7. In response to the relevant global tender call ECIL Rapiscan Ltd. had submitted its tender as offering the indigenous machine and the imported machine as on behalf of its principal Opto Sensors (M) Sdn. Bhd. of Malaysia (a subsidiary of OSI). The comparative statement of revised commercial with submitted by various tenderers and as opened on 16th April, 2001 is given.
8. Prior to it, ECIL Rapiscan Ltd. has secured an order dated 12th May, 1999 as placed on it by AAI pursuant to an earlier tender for supply of 27 Nos. model RAP 520 at unit rate of USD *** and 8 Nos. model RAP 526A at unit rate of USD ***/- which were exported to India as supplied by Opto Sensors (M) of Malaysia.
9. AAI placed a repeat order dated 7th February, 2002 on ECIL Rapiscan Ltd. for supply of 5 Nos. model RAP 520 and 4 Nos. model RAP 526A which were also exported to India as supplied by Opto Sensors (M) of Malaysia.
10. In 1998 ECIL Rapiscan Ltd. had secured an order dated 27th October, 1998 as placed on it by AAI for the supply of 5 Nos. model ECR 520 at unit rate of Rs. ***/- and one No model ECR 526A at unit rate of Rs. ***/-.
11. By virtue of OSI having ownership of or controlling voting power related to 51% equity shares and the covenants and conditions contained in joint venture agreement ECIL Rapiscan Ltd. is virtually an affiliated company or subsidiary of OSI and directly controlled by OSI both in relation to its management and business operations.
12. ECIL has not filed any application as domestic industry and, in any case, ECIL Rapiscan Ltd. is, firstly, itself an importer of the subject goods into India or supplier of imported goods in India and secondly, is related to OSI being the exporter of goods to India and having supplied the goods to AAI through OSI's subsidiary Opto Sensors (M) of Malaysia.
13. The levy of any anti dumping duty on the goods under consideration will eliminate the competition and prevent AAI from having access to available sources of supply.
14. On the date of the hearing held on 1/7/2002, it was observed that the AAI should clarify the difference between the models M/s Heimann Systems supplied to Brasil Postal Services 6040d and the model that was supplied to AAI 6040I and also the price difference. Hence, the Designated Authority may kindly furnish the said documents viz., the journal de Brasilia and its English

translation publishing model of XBIS sold by M/s Heimann Systems to Brasil Postal Services with its pricing which are necessary to make submissions.

Rejoinder on behalf of AAI with reference to the submission dated 12th July, 2002 of Jet Airways (India) Pvt. Ltd.

1. It is stated by Jet Airways that it had placed an order on Heimann Systems GmbH for procurement of 5 Nos. X-ray machines Model 6040I for carrying out secondary security checks at Mumbai Airport based on technical evaluation of the equipment provided by various manufactures and the evaluation team found that performance of Heimann System was superior to the other contenders i.e. EC IL Rapiscan Ltd. and Perkin Elmer, USA.
2. In the relevant Jet Airways Evaluation Report para 6(g) it is stated that: Out of the three machines tested, the performance of Heimann System was found to be the best in:
 - Detection of Explosives
 - Detection of Dummy weapons
 - Detection of Knives
 - Detection of IEDs
 - Level of X-ray Penetration
3. AAI will rely on the submission of Jet Airways and the Evaluation Report submitted by it.

(C) Jet Airways (India) Pvt. Ltd.

1. Our Association with M/s Heimann Systems Ltd. stems from the fact that we have placed an order for procurement of 05 X-ray machines (HISCAN 60401) from the said company for carrying out secondary security checks at Mumbai Airport.
2. The said order on M/s Heimann Systems was placed based on technical evaluation of the equipment provided by various manufacturers in the Indian market i.e. M/s ECIL Rapiscan, M/s Heimann Systems Ltd. and M/s Perkin Elmer, USA. This evaluation was carried out by a committee comprising of three experts in the related security field. While two members were coopted from Jet Airways the trial team was headed by an expert on various X-Ray BIS, whose services were made available by the Commissioner of Security (CA).
3. The evaluation team found that performance of M/s Heimann Systems was superior to the other contenders i.e. M/s ECIL Rapiscan and M/s Perkin Elmer. Based on the above, the order was placed on M/s Heimann Systems. Pertinent to mention, that our decision was pre-dominantly based on the performance of the equipment in the Indian environment and not cost factor. A copy of the said

evaluation report is enclosed. In the circumstances, we request you to kindly drop further proceedings in the matter.

(D) Delegation of the European Commission: Written submissions .

1. On the basis of the information available, the European Commission believes that the petition is not sufficiently substantiated and does not contain the required evidence to initiate an investigation.
2. The Designated Authority has failed to meet its procedural obligations, resulting in serious prejudice to European exporter's ability to defend itself, even at this early stage in the proceeding. These procedural deficiencies include: (1) failing to respond to the European exporter's timely request for an extension to submit its reply to the questionnaire; (2) according confidential treatment to documents that are clearly not of a confidential nature, such as newspaper excerpts; and (3) delaying access to the public file.
3. Furthermore, The Designated Authority determined that there was a *prima facie* case of dumping based exclusively on the petitioner's allegation relating to a sale in Brazil. This allegation however relates to a different product than was actually sold by the European exporter in Brazil and the initiation of the investigation is in violation of Article 5.2 (iii) of the WTO Anti-Dumping Agreement.
4. It should be noted that the petitioner is the single producer in India and that the imposition of anti-dumping duties will have significant competition effects that should be taken into account. In addition, in relation to the alleged injury, questions have to be raised regarding the economic efficiency of the petitioner since it is benefiting already from extremely high customs duty. Under these circumstances, any injury alleged by the petitioner is surely not caused by imports.
5. The European Commission is of the view that there is no sufficient evidence to grant the continuation of this investigation.

Examination by the Authority on views expressed by the EC.

1. The present investigation was initiated based on *prima facie* evidence of dumping, injury and causal link.
2. The last date for responding to the Initiation Notification was 27th May 2002. Vide letter dated 15th May 2002, M/s Heimann Systems GmbH requested the Authority for an extension of the deadline to the questionnaire since a significant amount of information and data relating to sales and costs were required to be given. Due to a significant number of public holidays in Germany during May 2002 and the absence of key personnel, Heimann was experiencing delays in accessing relevant information and data necessary to respond to the questionnaire. In view of the said reasons, Heimann requested

for an extension till June 14 2002 which was granted by the Authority.

The additional time thus granted by the Authority was therefore an extension of 18 days.

3. The Authority is not aware of the nature of documents which were accorded confidential treatment. The Public File was kept open for inspection by all interested parties since the initiation of the investigations.
4. The Designated Authority determined that there was a *prima facie*-case of dumping based on a sale in Brazil by M/s Heimann. This allegation related to the product under consideration, i.e., X-Ray Baggage Inspection Systems. The models sold in Brazil may however have been different from those sold by the exporter in India. As stated in the Initiation Notification, "M/s Heimann's pricing in Brazil is accepted by the Authority for determination of normal value for purpose of initiation." The price to Brazil Postal Authority is the *prima facie* evidence available to demonstrate dumping. The burden of proof shifted to M/s Heimann Systems when it responded to the exporters questionnaire by providing details of their sale prices of like articles in European Union to enable the Authority to determine the dumping margin. The petition submitted was duly substantiated with evidence in respect of dumping, injury and causal link.

(E) Views expressed by the Petitioner - Written Submissions:

1. These inspection systems are normally bought under a tender system. The Airport Authority of India is a major consumer of these systems. In addition, Departments like Customs, Police, Museums, TTD, security agencies, etc. purchase these machines for their use. The specification of the is clearly indicated in the tender documents by the buyer. The exporter as well as the domestic industry quote against such tenders. These tenders are evaluated under a two-tier system. The first evaluation is a technical evaluation and the second is financial/commercial evaluation. In all the technical evaluations, the product offered by the domestic industry has been considered at par with the product offered by other exporters. This demonstrates, beyond doubt, the fact that the article produced domestically is the same as the article under investigation for being dumped.
2. During the oral hearing, the representatives of AAI as also the Department of Customs categorically stated that the XBIS offered by the domestic producer are like articles to those offered by the exporters. In view of the above, there is no issue with regard to the product under consideration and like article.
3. Standing of the domestic industry - it is pertinent to note that the term 'domestic industry' has not been defined to mean that the like article has to be produced solely or exclusively by the producer. The law recognises the fact that a

domestic producer may produce a like goods either by himself or may get it manufactured either wholly or in part. The concept of supporting manufacturers or manufacture on job work basis is very well known and recognised in law. In this case, ECIL Rapiscan Ltd. is engaged in the manufacture, marketing, sale, after-sale service, etc. of the XBIS systems. Of all these activities, presently it is getting the systems manufactured by ECIL on job work basis. Article 2.4 of the joint venture agreement clearly indicates that the general business purposes of the company, inter alia, shall be to arrange for the manufacture, assembly and testing the product in India. Article 7.1 dealing with manufacture of products very clearly provides that ECIL has agreed to manufacture the product for and on behalf of ECIL Rapiscan Ltd. The said article further enables ECIL to sub-contract sub-assemblies of the products to other manufactures. Thus, the concept of manufacture or domestic producers does not contemplate that the entire manufacture or production should be carried on by the person making the application. The said article further recognises the fact that ECIL which manufactures the product for and on behalf of the joint venture company will not sell the product to any person or entity other than the joint venture company. As a measure of abundant caution, the petitioner has already placed on record the express support through the application by ECIL.

4. ECIL Rapiscan Ltd. is an Indian company, formed and registered under the Companies Act, 1956. It is not a foreign company. It is immaterial as to whether the whole or a majority of the shares are held by a foreign company. So long as the manufacturing operations are undertaken in India by a company registered in India, it will be treated as a domestic producer.
5. ECIL Rapiscan Ltd. is not related to the exporter of the like product. In fact, the like product is not at all imported into India. The like product is manufactured, assembled and tested in India. Some of the components and parts are imported from Malaysia. If we consider the final value of the manufactured products, including the value added by ECIL during the manufacturing process, the ratio of imported components to the total value will not be more than 50%. Further, the imports are effected from Malaysia and not from EU. As has been settled by the Hon.ble Cegat in Sterlite Industries Ltd. vs. Designated Authority, only the import of the like article from the countries under investigation may disqualify a domestic producer from being a part of the domestic industry. This is not the case here.
6. ECIL Rapiscan Ltd. or ECIL do not import the complete machines. Hence, ECIL Rapiscan Ltd. cannot be said to be related to importers of like articles which are Government agencies like Airport Authority of India, Indian Airlines, Customs Departments, etc.

7. The parts and components imported for the manufacture of XBIS are assessed by the customs not as a baggage system but as parts and components. ECIL procured other components indigenously and adds value resulting in the manufacture of the baggage system. On the system so manufactured and sold to ECIL Rapiscan Ltd., ECIL pays excise duty. This itself clearly shows that the activity undertaken by the job worker amounts to manufacture. Hence, the import of parts and components cannot be treated as import of the finish system itself. In view of all the above, all the submissions of Heimann System on the standing issues deserve to be discarded.
8. Unlike other industrial products, these are products which are procured mainly under the tendering system. The baggage system are not like commodities that are manufactured according to normal production duties which are then sold. These are manufactured, according to the specifications indicated in the tender, after the order is obtained. The loss of a single tender for a substantial number of system is the indicator of injury to the domestic industry in such cases. To illustrate, AAI had invited a tender for purchase of 220 numbers of these baggage systems which is estimated to meet the requirement of AAI for a period of about 2 - 3 years. If this order is lost because of the dumped price, then the entire market is lost for a period of 2-3 years.

Rejoinder of the petitioner to the written submissions of other interested parties:

1. It is true that the objective of global tendering is to ensure procurement of the best equipment at most competitive price. The issue is regarding 'most competitive price'. The said price should be a 'fair price' and not 'dumped price'.
2. Heimann is the exporter who had quoted to the Brazilian Authority and quoted to AAI. They have the full knowledge of the product offered to these Authorities and the differences, if any. We rely on the decision of the Hon'ble Supreme Court in Designated Authority vs. Haldor Topsoe. In this case, Haldor Topsoe did not make available the information about export prices of their catalysts to third countries. Haldor Topsoe insisted that the normal value should be determined on the basis of cost of production plus profit. The Hon'ble Supreme Court rejected this contention and held that Haldor Topsoe was in the best position to make available information regarding their sale price to third countries. Withholding of this information disqualify them from seeking relief before the Designated Authority. Applying the ratio of the above decision, Heimann is in the best position to highlight to the Authority the product offered to the Brazilian Postal Authority and to the AAI, the differences between the two, the adjustments that are required to be made in order to make the two comparable etc. We submit that the price to Brazil Authority is the prima facie

evidence available to demonstrate dumping. Once Heimann cooperates, the burden of proof shifts to the exporter who should provide details of their sale prices of like articles in European Union to enable the Authority to determine the dumping margin. It is only in the absence of any sales of the like product in EU that the export price to third countries becomes relevant. The non confidential version of their response is blank. In fact they should be treated as non cooperative on this account alone, as has been done by the Designated Authority in other cases.

3. The allegation that the case was filed exclusively for competitive reasons is incorrect. The investigation is to provide a level playing field and to restore fair competition and not to kill competition. The submission is that there is no question of unfair competition in a global tender is incorrect. Even in global tenders, dumping takes place.
4. In regard to injury we reiterate the submissions contained in paras 23 to 25 of a written submissions dated 15th July, 2002. The submissions regarding the supply of the systems in 1999 have no relevance for the purpose of investigations. Similarly, the reference to the various clauses of the joint venture agreement have no relevance to the investigations and in any case have been dealt with extensively by us in a written submissions. The submissions that levy of anti dumping duty will eliminate competition is again incorrect. Anti dumping duty is only to restore fair competition and no eliminate competition.
5. It is seen from the submission of Jet Airways that performance of the equipment and cost factor are the two factors that had gone into the selection of the particular system. We are concerned here with the price factor which is the determinant factor in the anti dumping investigation. Jet Airways have not indicated the price at which they have procured the system. In the absence of this crucial information, the submission of Jet Airways should be rejected. The other observations are general in character and do not in any way support to the request for dropping their proceedings.
6. Jet Airways have enclosed an evaluation report. This evaluation report was made by their own team and cannot be considered as laying down norms for evaluating X-Ray Baggage Inspection Systems. The evaluation was conducted at different places. The test parameters were not intimated in advance. The recording of the observations was done by the team and was not endorsed by the suppliers. Be that as it may, the crucial factor is the price, about which information has not been given.

C. EXAMINATION OF THE ISSUES RAISED

5. The submissions made by the petitioner, exporter and importers to the extent they are relevant under the Rules and have a bearing upon the case, have been examined and dealt with at appropriate places hereunder.

D. PRODUCT UNDER INVESTIGATION

6. The product under investigation in the present case is 'X-ray Baggage Inspection Multi Energy System' (XBIS). It is used for detection of explosives, firearms, narcotics and contra band at port of importation, security agencies and airports. There is no substitute available to XBIS. The petition is against alleged dumping of two models viz., Heimann Models HS6040i and HS9075i and four ranges of size (tunnel dimension) width x height as given below:-

Width	Height
(a) 600 to 700 mm	400 to 550 mm
(b) 700 to 1000 mm	550 to 850 mm
(c) 1000 to 1200 mm	800 to 1200 mm
(d) 1200 mm and above	1200 mm and above

'X-ray Baggage Inspection Multi Energy System' (XBIS) is classified under Customs sub-heading no. 90.22.19 of the Customs Tariff Act, 1975 and the ITC classification is 90.22.1901. The classification is however indicative only and in no way binding on the scope of the present investigations.

E. LIKE ARTICLES

7. The petitioner has claimed that technically Indian manufactured products are more superior to the imported products and are adapted for local environment and handling. The comparable models of ECIL – Rapiscan and Heimann which are alleged to be dumped are as follows:

Heimann Model	Comparable ECIL –Rapiscan Model	Size (tunnel dimension) width x height approx.
HS6040 i	ECR520	60cm x 40cm
HS9075 i	ECR526A/B	90cm x 75cm

In the absence of any arguments on like article by any interested party, goods produced by the petitioner are being treated as Like Articles to the goods imported from the subject country within the meaning of the Rules.

For the purpose of initiation, the petitioner had claimed normal value in European Union (Germany) on the basis of M/s Heimann Systems GmbH prices as quoted to the Brazil Government Postal Service in the International Tender of the Brazil Postal Services for the acquisition of X-Ray equipments for model 6040d (which is

claimed to be the same model as 6040i with minor modification for the customer by the petitioner) and 9075. As evidence of dumping M/s Heimann's pricing in Brazil as published in The Journal De Brasilia and its English translation were enclosed in the petition. M/s Heimann's pricing in Brazil was accepted by the Authority for prima facie determination of normal value for purpose of initiation. As per the request of the AAI, M/s Heimann's pricing in Brazil as published in The Journal De Brasilia and its English translation were treated as 'non-confidential' by the petitioner and placed in the public file.

Confidential submissions were thereafter made by M/s Heimann Systems vide their letter dated 13th July 2002 wherein they have submitted details of the differences in the models supplied to Brazil and to Airports Authority of India. M/s Heimann Systems was requested by the Authority vide letter dated 19th August 2002 to treat the submissions as non-confidential so that they could be placed in the public file for eliciting the views of interested parties. The Authority notes that no response in this regard was received from M/s Heimann Systems.

The Authority however notes that the issue in the present investigations, is that of comparison between the models produced and sold by the petitioner with those exported to India from the EU, as given in the exporter's response. The Like Article is therefore the comparable models manufactured by the petitioner of XBIS 6075i and 9075, which have been sold in the domestic market in EU and imported by Airports Authority of India during the period of investigations. The Authority notes that M/s Heimann in their confidential response to the exporters questionnaire have not furnished details of the technical specifications of the product sold to India i.e., 6040i and 9075. However, no interested party has stated that the models exported to India are not like articles to those manufactured by the domestic industry.

The petitioner has stated that the users normally indicate a range of tunnel sizes in notices inviting tenders so that a number of manufacturers and models could participate and compete for the order. It is also a practice among various producers to give different model numbers or model names even if the tunnel sizes vary marginally. Therefore, all models of XBIS machines should be treated as like articles for the purpose of this investigation.

The Authority notes that for Indian Airports, Bureau of Civil Aviation (BCAS) lays down the standards for security applications. They are derived mainly from ICAO standards followed by member countries. In the tender invited by the AAI during the period of investigations, two models of XBIS were involved i.e., 6040i and 9075. The Authority notes that there is a tender process involved in the purchase of the subject goods and therefore the technical specifications as laid

down are required to be complied with by potential suppliers. The technical specifications of the subject goods and the purchase procedure through tender do not indicate ease of product substitutability by users; in this case the major user being the Airports Authority of India. The AAI in its submissions has indicated that with the change in the dimensions of the machine there is difference in detection circuitry and added specifications (such as input motorised conveyor and output chute) and increased tunnel size, software for TIP facility and input and output roller facility contribute to higher cost. The Authority notes therefore that there are technical differences on account of differences in value added features and penetration and resolution differences between various models. The difference in price is on account of differences in built-in value added features depending on the requirement of each system/tunnel range. The difference in the price of 6040 and 9075 models which are the subject matter of the present investigation is USD *** or Rs ***/. This difference is not only account of tunnel size but on account of difference in zoom facility (upto 16x for Heimann Systems) and (upto 8x for ECIL). The present investigation is therefore restricted to the two models of XBIS i.e., 6040i and 9075 which were imported during the period of investigations of corresponding tunnel sizes indicated in Para D for the purpose of these preliminary findings.

In order to establish that XBIS produced by the domestic industry is a Like Article to that exported from EU, characteristics such as technical specifications, manufacturing process, functions and uses and tariff classification have been considered by the Authority. The Authority also finds that there is no argument disputing that XBIS produced by the domestic industry has characteristics closely resembling the imported material and is substitutable by XBIS imported from the subject territory both commercially and technically. XBIS produced by the domestic industry has been treated as Like Article to the product exported from EU within the meaning of Rule 2(d).

G.DOMESTIC INDUSTRY

8. The petition has been filed by M/s ECIL –Rapiscan Limited, Secunderabad, which is a joint venture between Electronic Corporation of India Ltd. (ECIL) Hyderabad, a Government of India Public Sector Undertaking and Opto Sensor Inc. (Rapiscan) USA., M/s Opto Sensors Inc. (OSI), California, USA and Electronics Corporation of India Ltd. (ECIL) entered into a joint venture agreement to inter alia organise a limited liability joint stock corporation under the laws of India to manufacture, assemble, test, market, sell and service single and multi- energy X-ray Baggage Inspection Systems, explosive detectors, walk through metal detectors and related security products. The general business purposes of the company ECIL –Rapiscan Limited as given in Article 2 of the joint venture agreement is to : (i) arrange for the manufacture, assembly and testing of

the products (as defined above) in India, (ii) market and sell the product throughout the Territory (iii) service the products sold throughout the Territory, and (iv) engage in such other activities as may be incidental or necessary to the foregoing.

The petition has been filed by ECIL Rapiscan Ltd. (ECR). Under the joint venture agreement, ECR is required to provide ECIL with the components necessary for ECIL to manufacture the products. ECR is also required to test, market, sell and service the product. Therefore, the petitioner gets the machines manufactured from ECIL and the entire production of XBIS by ECIL is for and on behalf of ECR. ECIL is the only manufacturer of the subject goods in India and has supported the present petition.

Rule 2 of the Anti - Dumping Rules defines domestic industry as follows:-

"domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case such producers may be deemed not to form part of domestic industry."

As stated above, ECR is required to arrange for the manufacture of the subject goods by providing ECIL with the components necessary for ECIL to manufacture the products. ECR is also required to test, market, sell and service the product. The entire production of XBIS by ECIL is for and on behalf of ECR. The Authority also notes that M/s ECIL Rapiscan/M/s ECIL are not related to the exporters or importers of the alleged dumped article and are themselves not importers thereof.

The Authority notes therefore that the petitioner constitutes "domestic industry" and has the required standing to file the present petition under the Rules.

H. DUMPING

9. The Authority sent questionnaires to the known exporter from the subject territory in terms of section 9 A (1). M/s Heimann Systems furnished a response to the exporters questionnaire.

I. EXAMINATION OF NORMAL VALUE AND EXPORT PRICE

(i) NORMAL VALUE

The exporter has stated that the data for sales in the home market is provided for Germany and for all other sales in the EU. This distinction is critical because sales in Germany are for machines that have different characteristics and value-added items and services to the machines sold elsewhere in the EU. The exporter has not given the Factory cost and profit of domestic sales as per Appendix 9.

Grade 6040 - The Authority notes that the selling price in Germany is E*** and the selling price in Europe is E***. No discounts/commissions have been paid. The Authority has considered the selling price to EU to ensure a fair comparison between sales to India and sales in the home market.

The manufactured price is stated to be E*** and the selling price E***. The charges after ex-factory are on account of packing E***; and inland freight E***. Overseas freight and insurance are included in freight. No break-up has been provided on these accounts. After considering the adjustments on the aforesaid the total cost comes to E***.

The price variations after manufacture are (i) 2 year service support which includes all parts, labour and help line which is ***% of contract at E ***; (ii) 2 year warranty at ***% E***; (iii) *** week delivery (cost to stock and material holding)@***%- E***; (iv) 24 emergency repair contract calculated at ***% of contract - E***; adjustment on account of variation in specification E ***. The total adjustment cost on account of price variation is E ***.

The ex-factory normal value level is therefore considered to be E*** for the purpose of these provisional findings and subject to verification.

The Authority notes that details of the contract on the basis of which these adjustments have been claimed have not been made available. Details/information on the variation in specification are also not available. These adjustments are therefore considered for the purpose of these provisional findings and subject to verification.

Grade 9075- The Authority notes that the selling price in Germany is E*** and the selling price in Europe is E***. No discounts/commissions have been paid. The Authority has considered the selling price to EU to ensure a fair comparison between sales to India and sales in the home market.

The manufactured price is stated to be E*** and the selling price E***. The charges after ex-factory are on account of packing E***; and inland freight E***. Overseas freight and insurance are included in freight. No break-up has been provided on these accounts. After considering the adjustments on the aforesaid the total cost comes to E***.

The price variations after manufacture are (i) 2 year service support which includes all parts, labour and help line which is ***% of contract at E ***; (ii) 2 year warranty at ***% E***; (iii) *** week delivery (cost to stock and material holding) at ***%- E***; (iv) 24 emergency repair contract calculated at ***% of contract - E***; adjustment on account of variation in specification E ***. The total adjustment cost on account of price variation is E ***.

The ex-factory normal value is therefore considered to be E *** for the purpose of these provisional findings and subject to verification.

The Authority notes that details of the contract on the basis of which these adjustments have been claimed have not been made available,. Details/information on the variation in specification are also not available. These adjustments are therefore considered for the purpose of these provisional findings and subject to verification.

(ii) Export Price

(a) **Grade 6040-** The exporter has sold 42 units to AAI and 3 units to GE Capital of Grade 6040. The factory cost of exports as stated in Appendix 8 is USD *** or E ***. The contract price to AAI is E***. After ***% sales commission (E ***) the sales price comes to E ***. The selling price to GE is E***. After ***% sales commission (E ***) the sales price comes to E***. The average price of AAI and GE before commission is E *** and after commission is E***.

Grade 6040 AAI- The manufactured price is stated to be E*** and the selling price E***. The ex-factory cost is E***.

Grade 6040 GE- The manufactured price is stated to be E*** and the selling price E***. The ex-factory cost is E***.

As the adjustments on account of overseas freight and for 2 year warranty vary for sales of this model to AAI and GE, the Authority has considered the weighted average ex-factory price for 6040 which is E*** for the purpose of this preliminary findings and subject to verification.

(b) **Grade 9075** - 16 units of this grade have been sold to AAI. Price adjustments for this grade have been given in Appendix 4. The factory cost of exports as per Appendix 8 has not been given. The export price for 9075 is stated to be E***. After sales commission of ***% the selling price comes to E ***. The adjustments include packing cost at E***, inland freight at E*** before fob and overseas freight at E***. The total cost on account of the above comes to E***.

The adjustments for fair comparison include (I) 2 year warranty at ***% or E***; (ii) specification variation -E***; (iii) others - E***.

The exporter has not elaborated on the costs which have been included under 'others'. After considering the above costs excluding 'others', the ex-factory export price comes to E*** for Grade 9075 purposes of this preliminary findings and subject to verification.

(iii) Dumping margin

10. The dumping margins are as follows:-

Grade	Ex-factory Normal Value	Ex-factory Export Price	DM (E)	DM (USD)	DM (%)
6040	E ***	E***	***	***	10.34%
9075	E ***	E ***	***	***	17.59%

J. INJURY

The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from the subject territory are more than the limits prescribed in Rule 11 Supra.

For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such further indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, quantum of sales, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II (iv) of the rules supra.

(a) Quantum of Imports

Countries	1999-2000		2000-01		POI	
	Qty	Value	Qty	Value	Qty	Value
Total imports	38	***	26	***	61	***
EU	31	***	13	***	61	***
Others	7	***	13	***	0	0

For the purpose of analysing the volume of imports the import data published by DGCIS was considered for the years 1999-2000 and 2000-01. Information based on market intelligence was used for the period of investigation. The imports during the period of investigation based on market intelligence was corroborated by non-confidential submissions of M/s Heimann Systems also.

The increase in the dumped imports of XBIS was from 13 units during the year 2000-2001 to 61 units during the POI, registering an increase of over 369%. The dumped imports therefore registered significant increase in absolute terms. During the POI, 12000% of the imports into India were dumped imports whereas during 2000-01, only 50% of the imports were dumped imports. This shows that dumped imports have completely wiped out competition from other sources.

(b) Production and Capacity Utilisation

The production capacity, actual production and capacity utilisation of the petitioners declined significantly as shown in the table below : -

Petitioners	1999-2000	2000-01	POI
Installed Capacity (no. of units)	100	100	100
Production (no. of units)	18	56	18
Capacity Utilisation %	18%	56%	18%

(c) Sales and Market Share

	1999-2000	2000-01	POI
Sales (no. of units) of petitioner	63	60	25
Demand	101	86	86
Share of dumped imports %	30.69%	15.11%	70.93%
Share of petitioner %	62%	70%	29%

The domestic sales volume of the petitioner declined significantly from 63 units in 2000-01 to a mere 25 units in the POI.

(d) Price undercutting and price depression

Rs/lacs

	Sales realisation of domestic industry for comparable models	Landed Price of Imports EU		Price undercutting	
				Amount	%
ECR 520	***	6040	***	***	41.34%
ECR 526A	***	9075	***	***	39.27%

As shown in the table above, dumped imports undercut the prices of the domestic industry severely by 41.34% in one model and by 39.27% in another model. In the face of such severe price undercutting, the domestic industry was faced with two options i.e., either to match the low prices of dumped imports and retain volume of business or maintain/increase prices but lose volume of business. Since the domestic industry had suffered huge loss in the previous year it could not afford further losses. Therefore the domestic industry kept prices at break-even levels and in the process lost 57% of the total volume of business.

(e) Profitability:-

The domestic industry had made a loss of Rs *** lacs (***) on a turnover of Rs *** lacs during 2000-01. It earned a profit of Rs *** lacs (***) on a turnover of Rs *** lacs during the POI. The price increase was just sufficient to break-even. Thus the profitability changed from minus 7% to plus 2.6%. For earning this marginal profit of 2.6% the industry lost 57% volume of business.

Rs (lacs).

ECIL/ECIL -Rapiscan	1999-2000		2000-01		POI	
	ECR 520 (6040)	ECR 526A (9075)	ECR 520 (6040)	ECR 526A (9075)	ECR 520 (6040)	ECR 526A (9075)
COP/COS			***	***	***	***
Selling Price (ECIL- RAPISCAN)			***	***	***	***
P/L			***	***	***	***

f. Actual and potential decline in sales

As stated earlier, the domestic sales volume came down from 58 units in 2000-01 to a mere 25 units during POI. Thus, there was a significant decline in sales volumes.

g. Profits

The domestic industry had made a loss of Rs. *** lacs (***) on a turnover of Rs. *** lacs during 2000-01, it earned a profit of Rs. *** lacs (2.6%) on a turnover of Rs. *** lacs during POI. Thus, the profitability changed from minus 7% to plus 2.6%. For earning this marginal profit of 2.6%, the industry has lost 57% volume of business.

h. Output

The output of the domestic industry was 56 units during 2000-01. It came down to a mere 18 units during POI. The decline was a staggering 68% during POI.

i. Return on investments or utilisation of capacity

With the existing manpower and other resources at its command, the domestic industry could produce upto 100 units in a year. They have produced only 18 units during POI. The capacity utilisation is a paltry 18%, if they could increase the capacity utilisation, their return on investment will also increase. As of now, due to low capacity utilisation, the return on investment is also very low.

j. Factors affecting domestic prices

The market for XBIS Systems in the world is highly competitive. Globally, there are only two competitive products - one is from Rapiscan and the other from M/s Heimann. M/s Heimann has been quoting rock bottom prices in the tenders floated by various customers in India. The domestic industry is required either to quote still lower prices or lose the sales volume. Unfortunately, the domestic industry is not in a position to reduce the prices to the ridiculous levels quoted by M/s. Heimann. Therefore, it is losing sales volumes quite significantly. There are no other factors that affect domestic prices to a significant extent.

k. Magnitude of the margin of dumping

The dumping margin projected in the petition shows 393% for one model and 535% for another model. Therefore, the magnitude of the margin of dumping is astronomically high and has caused severe injury to the domestic industry.

l. Cash Flow

The sales revenue of the domestic industry in the year 2000-01 was Rs. 15.17 crores. It came down to Rs. 6.45 crores during POI. Such a significant fall in sales revenue has obviously affected the cash flow of the domestic industry.

m. Inventories

Petitioner	1999-2000	2000-01	POI
Closing stock	6	4	0

n. Employment

There is no reduction in the manpower employed by the domestic industry. However, they are being forced to sit idle for want of orders.

o. Wages

Being units in the public sector and joint sector, wages are not dependent on the volume of business or profits. Therefore, it is not relevant for the determination of injury.

p. Growth

The market for XBIS is poised to grow significantly in the existing security-conscious environment. The risk perception of various public and private authorities have undergone tremendous change after various civilian casualties and threat to civilian and other targets. Therefore, there is a huge potential for growth. Yet there are no signs of vitality in the sole domestic producing unit. The sales volumes of the domestic producer has fallen due to dumped imports. It is necessary to protect the domestic industry against unfair price competition from the EU or else India may have to depend only on imports for meeting the requirements of essential security related equipment.

q. Ability to raise investments

This is not a very capital intensive industry. What is required is substantial working capital and not fixed capital. Therefore, this parameter is not relevant for this industry.

K. CONCLUSION ON INJURY

11. In view of the foregoing it is observed that:-

- (a) the quantum of imports from the subject territory have increased in absolute terms;
- (b) the market share of the petitioner has gone down while that of imports has increased;
- (c) the petitioners have lost significant sales volumes;
- (d) imports have undercut the prices of the domestic industry.

L. CAUSAL LINK

12. The Authority holds that the material injury to the domestic industry has been caused by imports from the European Union which has been the only supplier of XBIS to India during the period of investigations. The dumped imports increased from 13 units to 61 units causing the domestic industry output to fall from 56 units to 18 units. Thus the volume effect of dumped imports is clearly established. In

examining the price effect, the Authority notes that import prices from the subject territory have undercut the prices of the domestic product and the domestic industry has lost significant sales volumes due to dumped imports. The material injury to the domestic industry was therefore caused by the dumped imports from the subject territory.

M. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

13. The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

14. It is recognised that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of XBIS. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore would not affect the availability of the product to the consumers.

15. To ascertain the extent of anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry, the Authority relied upon reasonable selling price of XBIS in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilisation for the domestic industry.

16. The petitioner has requested for an ad valorem rate determined for model 6040 to be applied to all models falling within this tunnel range. Similarly, they have requested for the ad valorem rate determined for model 9075 to be applied for all models falling within this tunnel range. They have requested for a weighted average rate of the first two ranges in respect of the remaining two ranges of tunnel sizes. For reasons cited in Para E, since the present investigation is restricted to the two models of XBIS i.e., 6040i and 9075 which were imported during the period of investigations of corresponding tunnel sizes indicated in Para D, the Authority has not considered the application of an ad valorem rate for the purpose of these preliminary findings.

952 E.11/03-16

17. A copy of the judgement by the Hon'ble High Court of Delhi in C.W.P. No. 6615/2002 filed by M/s ECIL Rapiscan Ltd. vs. Union of India and another and C.W.P. No. 7240/2002 filed by Rapiscan Security Products (USA) Inc. vs the Union of India and Ors. was provided to the Authority on behalf of M/s Heimann Systems (Asia Pacific) Pte. Ltd.

In the CWP, M/s ECIL Rapiscan Ltd. had challenged the rejection of its bid for supply of 220 colour XBIS X-Ray Baggage Inspection Systems and award of contract in favour of M/s Heimann Systems (Asia Pacific) Pte Ltd., Singapore. The Hon'ble High Court has noted that the Airport Authority of India issued Notice Inviting Tender (NIT) published on 20th November, 2001 for the supply of 145 colour XBIS. However, this was cancelled on 6th March, 2002. Thereafter, another NIT dated 7th June, 2002 was published for supply of 220 colour XBIS. The Hon'ble Court has noted that after the events of 11th September, 2001 (attack on twin towers of WTC, New York) and attack on Parliament on 13th December, 2001, the Ministry of Civil Aviation sent a communication to the Chairman of AAI and stated that keeping the quantum jump in the perception of level of threat to Aviation Sector the present process of global NIT was required to be quashed and the technical parameters reviewed at the level of Member (Ops). AAI and COSCA, BCAS and then AAI may go in for fresh open global NIT. The Bureau of Civil Aviation Security (BCAS) discussed and finalised the revised specifications for XBIS in a meeting where M/s ECIL Rapiscan was also present. As the Government of India finalised revised specifications on the basis of the recommendations in the aforesaid meeting, earlier NIT was cancelled and fresh published 7th June, 2002. The Hon'ble Court has noted that the revised specifications were to the knowledge of petitioners, same were even finalised in the meeting wherein representatives of the petitioners deliberated.

The Hon'ble Court has noted that the tenders were to be submitted in two parts, viz. technical bid and financial bid. Technical bids were to be opened and evaluated in the first instance. Financial bids of only those bidders were required to be opened who qualified in technical evaluation.

It has been mentioned in the judgement that ED (Tech) had also constituted a committee of three officers of the rank of GM, Addl. GM and Assistant G.M. respectively for scrutinising the documents/clarifications submitted by the tenderers which clarifications were obtained after the initial evaluation done from 30th July to 1st August, 2002. This committee submitted its report on 20th August, 2002 of all three categories of Systems, namely, hand baggage (category A),

Registered baggage (Category B) and Cargo (category C). In respect of hand baggage machine offered by the petitioners this committee remarked:-

"X-Ray machine for hand baggage (Category A)

Four firms offered this category of machine.

- (i) The machines offered by M/s Heimann and M/s Control Screening meet all the NIT requirements;
- (ii) The machines offered by M/s ECIL Rapiscan meets all NIT requirements except the following:
 - (a) Penetration of Steel is below the specified requirement of "more than 25 mm thickness" as mentioned against S.No. 5.
 - (b) Does not fully meet NIT requirement of ISO 9001 certification (S.No. 21).
 - (c) Regarding the requirement of alarm generation in case of failure of machine to penetrate a particular item (S.No. 16), through the firm has claimed compliance yet there is no specific mention in the tender document/brochure about any audible/visual alarm to alert the operation except that the particular area shall be shown in black colour.
- (iii) The machine offered by M/s Rapiscan complies with the NIT requirements, however, the observation made regarding alarm generation at para ii © above in respect of ECIL Rapiscan machine is applicable here also."

The Hon'ble Court has noted that para 29 of the judgement that "On our direction, respondent No. 2 (AAI) had produced the records for our perusal. These records show that as per the committee report, following salient points were observed:

- (a) While M/s Heimann Systems could pass single wire resolution up to 40 SWG against NIT requirement of 38 SWG all other three machines failed to meet the specifications.
- (b) NIT specifications for penetration is greater than 25 mm M/s. Heimann Systems could pass this test up to 28 mm penetration while other three makes could not show penetration of 25 mm steel.
- (c) For detection of explosives M/s Control Screening does not have ADX facility.

- (d) Threat Image Projection (TIP) facility is not available on line in M/s ECIL Rapiscan, M/s Rapiscan and M/s Control Screening equipments whereas the facility is available in the machine of M/s Heimann Systems.
- (e) In case of M/s Control Screening colour discrimination for various objects is not clearly visible.
- (f) Feedback/report is not available with M/s Control Screening equipment."

The Hon'ble High Court has stated that as per petitioners own showing their systems could penetrate up to 25mm steel which obviously means not 'greater than 25mm thickness steel'. Therefore when AAI found that systems offered by M/s Heimann Systems (Asia Pacific) Pte. Ltd. to be better than that of petitioners and placed orders on M/s Heimann for supply of such system this action cannot be faulted with. The Hon'ble Court has noted that no specific allegations of malafides are made in the writ petitions. It is not alleged that any person had interest in favouring M/s Heimann Systems or had any animus qua petitioners. Contract was awarded to M/s Heimann who was the only party left in the fray that too at much higher rates. The Hon'ble Court concluded that the writ petitions were without any merit and dismissed them.

The Authority has noted the aforesaid contents of the judgement of the Hon'ble High Court of Delhi for the purpose of these preliminary findings.

N. LANDED VALUE

18. The landed value of imports is determined on the basis of export price of XBIS determined as detailed above in the para relating to dumping, after adding the prevailing level of customs duties and one per cent landing charges.

O. CONCLUSIONS

19. It is seen after considering the foregoing that:

- (a) XBIS described under para 6 originating in or exported from EU has been exported to India below normal value, resulting in dumping;
- (b) the domestic industry has suffered material injury;
- (c) material injury has been caused by imports from the subject territory .

20. It was decided to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less which if levied, would remove the injury to the domestic industry. Accordingly, it is proposed that provisional anti-dumping duties be imposed, from the date of notification to be issued in this regard by the

Central Government, on XBIS of the models/categories of tunnel sizes indicated in the table below, originating in or exported from EU, falling under customs sub-heading no. 90.22.19 of the Customs Tariff Act, 1975 and the ITC classification is 90.22.1901., pending final determination. The anti-dumping duty recommended shall not cover the XBIS with the following technical parameters :-

- (a) XBIS machines having steel penetration greater than 25mm thickness;
- (b) XBIS machines having audio and visual alarm in case of failure of machines to penetrate a particular item;
- (c) XBIS machines having Threat Image Protection (TIP) facility without the requirement of rebooting;
- (d) XBIS machines having the capability of passing the single wire resolution test of 38 SWG and above.

The anti-dumping duty shall be the amount mentioned in Col.5.

Country/ Territory 1.	Name of the producer/ exporter 2.	Model of XBIS 3.	Tunnel Size (Width x Height) 4.		USD/Unit of XBIS 5.
EU	M/s Heimann Systems GmbH	6040i and any model within tunnel size as given in Col. 4	600 x 700 mm	400 to 550 mm	1990
		9075 and any model within tunnel size as given in Col. 4	700 x 1000 mm	50 mm	3962

21. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

P. FURTHER PROCEDURE

22. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:

- a. The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
- b. Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days of the despatch of this notification. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.
- c. The Authority would provide opportunity to all interested parties for oral submissions.
- d. The Authority would disclose essential facts before announcing the final findings.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority